3 जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में आज लंबा पावरकट रहेगा
5 मियामी ओपन 2926: सबालेंका क्वार्टरफ़ाइनल में, गाफ़ मुचोवा और म्बोको भी अंतिम 8 में
8 एनर्जी, फिटनेस और इम्युनिटी बढ़ाएगा 'न्यूट्रिका बी हनी'

epaper.dehatsandesh.com

न्यूनतम 18 मौसम जम्मू अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-73 | जम्मू तवी, बुधवार 25 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू कश्मीर को टीबी मुक्त बनाना सबकी जिम्मेदारी हैः एलजी सिन्हा

जम्मू, 24 मार्च। विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस पर, उपरायपाल श्री मनोज सिन्हा ने स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन और नागरिकों से टेस्टिंग (जांच) बढ़ाने, टीबी-संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करने और घर-घर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर परिवार को सूचित किया जाना चाहिए कि टीबी के लक्षणों की जांच और उपचार मुफ्त है, और पूर्ण स्वस्थ होना संभव है। मेरा मानना है कि जागरूकता हमारी सबसे शक्तिशाली दवा होगी। किसी भी मरीज को पीछे न छोड़ें। टीबी का पता लगाना केवल आधी लड़ाई है। उपचार और रिकवरी के पूरे कोर्स के दौरान मरीज के साथ चलना असली चुनौती है। नि-क्षय मित्र कार्यक्रम सटीक रूप से वही उत्तर है। मैं इसमें शामिल सभी लोगों से पूर्ण प्रतिबद्धता की अपेक्षा करता हूँ, उपरायपाल ने कहा। उपरायपाल कन्वेंशन सेंटर जम्मू में टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय अभियान के शुभारंभ के

अवसर पर बोल रहे थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा शुरू किए गए इस राष्ट्रव्यापी अभियान का उद्देश्य गहन, लक्षित और तकनीक-संचालित हस्तक्षेपों के माध्यम से टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रगति को और तेज करना है। 100 दिवसीय अभियान में, एआई-सक्षम पोर्टेबल एक्स-रे उपकरण आदिवासी बस्तियों, प्रवासी शिविरों, शहरी मलिन बस्तियों और उच जोखिम वाले स्थानों पर सीधे परीक्षण पहुँचाएंगे। मोबाइल इकाइयां—नि-क्षय वैन—चलते-फिरते देखभाल प्रदान करेंगी। आयुष्मान स्वास्थ्य शिविर चेस्ट एक्स-रे, परीक्षण, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, रक्तचाप और बीएमआई जांच की सुविधा प्रदान करेंगे। उपरायपाल ने सभी हितधारकों से जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को इस राष्ट्रीय अभियान में केवल एक प्रतिभागी के रूप में नहीं, बल्कि एक नेता के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया। यह हमारा संकल्प है कि हम इस अभियान को जम्मू-कश्मीर में जन आंदोलन में बदलें। इस वर्ष का अभियान अधिक गहन, अधिक केंद्रित और केंद्र शासित प्रदेश के समुदायों में गहराई से जुड़ा होना चाहिए, उपरायपाल ने गौर किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य विभाग का कर्तव्य नहीं है बल्कि यह हमारी साझा जिम्मेदारी भी है। टीबी-मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए हमारा संकल्प इसी विश्वास पर टिका है। हर जिले की स्वास्थ्य टीमों और समुदाय के लोगों को एक ही लक्ष्य के साथ अथक परिश्रम करना चाहिए—अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, अंतिम मामले का पता लगाएं, पूर्ण स्वस्थ होने तक हर मरीज के साथ मजबूती से खड़े रहें और उन्हें हर आवश्यक सहायता प्रदान करें, उपरायपाल ने कहा। उपरायपाल ने अगले 100 दिवसीय अभियान को हर संवेदनशील जिले में एक जन आंदोलन के रूप में बदलने पर जोर दिया, जहाँ एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होते हुए सुदूर घर तक पहुँचकर हमारे अभियान का सबसे बड़ा चैंपियन बने, जहाँ पोषण सहायता प्रदान करने वाला एक नि-क्षय मित्र मरीज का जीवन बदल दे। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसा 100 दिवसीय आंदोलन खड़ा करना चाहिए जहाँ हर नागरिक स्वामित्व महसूस करे और पूरे दिल से योगदान दे।

एनआईए कोर्ट ने आसिया अंद्राबी को उम्रकैद और दो अन्य को 30 साल की सज़ा सुनाई

2018 कश्मीर अलगाव साज़िश मामला

नई दिल्ली, 24 मार्च। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को प्रतिबंधित संगठन दुख्तारन-ए-मिल्लत की तीन कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच किए गए 2018 के कश्मीर अलगाववाद साजिश मामले में कारावास की सजा सुनाई। अधिकारियों ने कहा कि विशेष एनआईए अदालत ने डीईएम प्रमुख आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई, जबकि सह-आरोपी सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को जुर्माने के साथ 30 साल जेल की सजा सुनाई गई। तीनों को इस साल जनवरी में कड़कड़डूमा स्थित एक ट्रायल कोर्ट द्वारा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था, जिसमें साजिश, दुश्मनी को बढ़ावा देने और गैरकानूनी गतिविधियों से संबंधित आरोप शामिल थे। एनआईए के अनुसार, अंद्राबी को उम्रकैद के साथ 8 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। फहमीदा और नसरीन को 30-30 साल के कारावास की सजा और 7-7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। एजेंसी ने कहा कि मामला अप्रैल 2018 में स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किया गया था, जिसके बाद आरोपियों को उसी साल जुलाई में गिरफ्तार किया गया था। सोशल मीडिया सामग्री, वीडियो और सार्वजनिक बयानों सहित सबूतों की जांच के बाद नवंबर 2018 में आरोप पत्र दायर किया गया था। एनआईए ने कहा कि अदालत ने माना कि आरोपी डीईएम के संचालन और भारत से जम्मू-कश्मीर के अलगाव के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल थे। एजेंसी ने आगे कहा कि जांच से पता चला कि आरोपियों ने हिंसा भड़काने और गैरकानूनी गतिविधियों का समर्थन करने के इरादे से सामग्री फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक मंचों का इस्तेमाल किया, जिससे देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरा पैदा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अंद्राबी का नाम कई अन्य मामलों में भी है, जबकि फहमीदा और नसरीन के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में कई मामले दर्ज हैं। एनआईए ने कहा कि जांच ने प्रतिबंधित संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में आरोपियों की भूमिका स्थापित की थी।

पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी से बच रहे पांच भगोड़ों को पकड़ा

पुंछ, 24 मार्च । पुंछ पुलिस ने मंगलवार को कई आपराधिक मामलों के सिलसिले में काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे पांच भगोड़े घोषित अपराधियों को पकड़ा हैद्य

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि घोषित अपराधियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान में सुरनकोट पुलिस स्टेशन ने एसडीपीओ सुरनकोट की करीबी निगरानी में पांच भगोड़ों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है जो विभिन्न आपराधिक मामलों के संबंध में काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे।

प्रवक्ता ने गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुरनकोट के सांगला निवासी मोहम्मद बशीर के बेटे बशारत हुसैन के रूप में की है जो धारा 452, 382, 148, 324, 325 और 147 आरपीसी के तहत एफआईआर संख्या 207/2018 में शामिल था और 3 दिसंबर, 2024 को भगोड़ा घोषित किया गया था।

अन्य आरोपियों में मोहम्मद शरीफ का बेटा मोहम्मद इकबाल बाग हुसैन के पुत्र गुलाम अहमद; और मोहम्मद शरीफ, फतेह मोहम्मद का बेटा, जाति से एक गुज्जर, सभी हरि, सुरनकोट के निवासी, जो धारा 452, 147, 148, 324 और 323 आरपीसी के तहत एफआईआर संख्या 284/2018 में शामिल थे और 29 दिसंबर, 2018 को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था।

एक अन्य आरोपी मोहम्मद अकरम पुत्र अब्दुल्ला, सांगला, सुरनकोट का निवासी, एफआईआर संख्या 243/2012 में धारा 341, 323 और 324 आरपीसी के तहत शामिल था और 30 मार्च, 2017 को भगोड़ा घोषित किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में 28 मार्च की रात से बारिश, बर्फबारी और तेज हवाएं चलने की संभावना

श्रीनगर, 23 मार्च। मौसम विज्ञान केंद्र ने इस सप्ताह के अंत में जम्मू-कश्मीर में मौसम के अस्थिर रहने की संभावना जताई है। ऊंचाई वाले इलाकों में 28 मार्च की रात से बारिश, बर्फबारी और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार 25 को मौसम की स्थिति आमतौर पर शुष्क रहेगी। इसके बाद 26 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। इस सलाह का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इस क्षेत्र में 28 मार्च की रात से मौसम के मिजाज में बदलाव देखने की उम्मीद है, जो कई क्षेत्रों में कृषि, यात्रा और नियमित गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है। अधिकारियों ने कहा कि 27 और 28 मार्च को शाम तक काफी हद तक शुष्क रहेगा, जिसके बाद केंद्र शासित प्रदेश में कई स्थानों पर हल्की बारिश, बर्फबारी, तूफान और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

ईंधन की कालाबाज़ारी पर कोई नरमी नहीं: CS

ईंधन के स्टॉक की स्थिति का जायज़ा लिया; ज़रूरी चीज़ों की उपलब्धता का भरोसा दिलाया

जम्मू तवी, 24 मार्च। मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने मंगलवार को पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी, कालाबाज़ारी, ज्यादा कीमत वसूलने या उन्हें गलत जगह भेजने के खिलाफ ज़ीरो-टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाशत न करने की) नीति को दोहराया।

जम्मू और कश्मीर में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता और वितरण का जायज़ा लेने के लिए यहाँ हुई एक विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य सचिव ने—समाचार एजेंसी के अनुसार—किसी भी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जो किसी भी स्तर पर किसी भी ज़रूरी चीज़ की जान-बूझकर कमी पैदा करता है। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव को केंद्र शासित प्रदेश में उपलब्ध सभी प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों—जिनमें मोटर स्पिरिट , हाई स्पीड डीज़ल (HSD), एविएशन टर्बाइन फ्यूल और LPG शामिल हैं—के मौजूदा स्टॉक की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।

ज़िला-वार आपूर्ति की समीक्षा करते हुए, उन्होंने उपायुक्तों से उपलब्धता और वितरण पर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कुल मिलाकर स्थिति संतोषजनक है, लेकिन उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी पात्र घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को बिना किसी देरी के LPG की आपूर्ति मिलनी चाहिए, जिसमें असली हकदारों को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्य सचिव ने LPG की डोरस्टेप डिलीवरी (घर तक पहुँचाने) के महत्व पर भी ज़ोर दिया और तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिया कि वे खुदरा दुकानों, डीलर पॉइंट्स और बफर डिपो में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखें, ताकि आपूर्ति में कोई रुकावट न आए।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर गोली चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी को अदालत ने 6 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

जम्मू, 24 मार्च। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर गोली चलाने के मामले से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार गोली चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी कमल सिंह जमवाल को अदालत ने 6 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मामला हाई-प्रोफाइल होने के चलते सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। आरोपी को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। बताया जा रहा है कि इस

घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है।

जांच एजेंसियां आरोपी से जुड़े हर पहलू की पड़ताल कर रही हैं ताकि घटना के पीछे की पूरी साजिश का खुलासा किया जा सके।

गौरतलब है कि 11 मार्च को फारूक अब्दुल्ला एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे जहां अचानक उन पर जानलेवा हमला किया गया। आरोपी कमल सिंह जमवाल ने उन पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि फारुक अब्दुल्ला को गोली नहीं लगी। इस घटना के बाद गंग्याल पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई और मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष पुलिस दल का गठन किया गया।

जम्मू-कश्मीर में दहेज से होने वाली मौतों की घटनाएं कम हुई

नई दिल्ली, 24 मार्च। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में दहेज से होने वाली मौतों के मामले अपेक्षाकृत कम हैं, और साथ ही संबंधित कानून के तहत कानूनी समय सीमा बढ़ाने के किसी भी प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

यह जानकारी लोकसभा में सांसद डॉ. बायरेड्डी शबरी द्वारा पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न के जवाब में दी गई। इस सवाल का जवाब देते हुए, गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2023 में जम्मू-कश्मीर में दहेज से होने वाली मौतों के कुल 9 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में भी 9 मामले सामने आए थे।

राष्ट्रीय स्तर पर J&K के लिए साइबर सुरक्षा मज़बूत की गई

J&K में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध बढ़े, 2023 में 68 मामले दर्ज

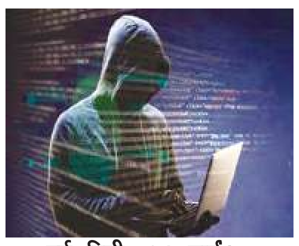

नई दिल्ली, 24 मार्च। भारत सरकार ने मंगलवार को कहा कि साइबर सुरक्षित भारत बनाने की कोशिशों के तहत, पूरे देश में, जिसमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है, साइबर सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

लोकसभा में एक सवाल के जवाब में, गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक लगातार साइबर खतरों की समीक्षा कर रहा है और उसने बैंकों को मोबाइल और UPI एप्लीकेशन में सिक्योरिटी बाय डिज़ाइन जैसे मज़बूत सुरक्षा सिस्टम अपनाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि बैंकों को सलाह दी गई है कि वे लेन-देन की रियल-टाइम निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों, खासकर साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले म्यूल अकाउंट (दूसरे के नाम पर खोले गए खाते) का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें।

सरकार ने लोकसभा को यह भी बताया कि 2023 में जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध के कुल 68 मामले दर्ज किए गए। इस सवाल के जवाब में, गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, J&K में 2021 में ऐसे 39 मामले, 2022 में 39 मामले और 2023 में 68 मामले दर्ज किए गए, जिससे पता चलता है कि रिपोर्ट किए गए मामलों में बढ़ोतरी हुई है। मंत्री ने आगे बताया कि गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधों से मिलकर निपटने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (Indian Cyber Crime Coordination Centre) की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में मदद करने के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1930 को चालू कर दिया गया है।

2024-25 में J&K में 1.8 लाख MGNRGA काम पूरे हुए

नई दिल्ली, 24 मार्च। मंगलवार को लोकसभा को बताया गया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जम्मू और कश्मीर भर में हजारों काम चल रहे हैं, और मौजूदा तथा पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान इन पर काफी खर्च हुआ है। एक अतारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में, 2024-25 में कुल 1,81,828 काम पूरे किए गए, जिन पर 33,058.18 लाख रुपये खर्च हुए; जबकि 3,89,873 काम अभी भी चल रहे हैं, जिन पर 92,209.66 लाख रुपये खर्च होने हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 (20 मार्च, 2026 तक) के लिए, सदन को बताया गया कि 46,178 काम पूरे किए जा चुके हैं, जिन पर 7,361.56 लाख रुपये खर्च हुए हैं; जबकि 4,80,135 काम अभी भी चल रहे हैं, जिन पर 1,25,056.86 लाख रुपये खर्च होने हैं। मंत्री ने आगे बताया कि राजौरी जिले के नौशेरा ब्लॉक में, 2024-25 के दौरान 655 काम पूरे किए गए, जबकि 2,032 काम अभी भी चल रहे थे। 2025-26 में अब तक 229 काम पूरे किए जा चुके हैं, और 2,873 काम अभी भी चल रहे हैं; जो दिखाता है कि यह योजना जमीनी स्तर पर लगातार लागू की जा रही है।

विश्व वानिकी दिवस पर मंत्री राणा का संदेश-जंगल बचेंगे तो भविष्य सुरक्षित रहेगा

जम्मू, 24 मार्च। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने प्रदेश में वनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

नरवाल स्थित एफआरएमसी भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जंगल जीवन, जैव विविधता और जल सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं। उन्होंने समुदाय आधारित संरक्षण और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए विकास की दिशा में काम करने की अपील की। मंत्री ने बताया कि 'ग्रीन जेएंडके ड्राइव' के तहत इस वित्त वर्ष में 78 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं जबकि अगले वर्ष एक करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 20,194 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र है जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 48 प्रतिशत है।उन्होंने वन संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने, अतिक्रमण व जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत बताई। साथ ही वानिकी पुरस्कार विजेताओं और प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं की सराहना करते हुए उन्हें वन सुरक्षा की रीढ़ बताया।

सरकार जम्मू-कश्मीर में प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनाने के लिए कानून लाने पर विचार कर रही है

जम्मू, 24 मार्च। जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र को विस्तार देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, सरकार केंद्र शासित प्रदेश में प्राइवेट यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए कानून लाने की तैयारी में है, सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि हृष्ट के नेतृत्व वाली सरकार से उम्मीद है कि वह 27 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान यह कानून पेश करेगी। प्रस्तावित कानून जम्मू-कश्मीर में स्व-वित्तपोषित प्राइवेट यूनिवर्सिटी स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षा मंत्री सकीना मसूद इट्टू ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हम बजट सत्र के दौरान बिल पेश करने की पूरी कोशिश करेंगे। इस साल फरवरी में, मंत्री ने विधानसभा को सूचित किया था कि केंद्र शासित प्रदेश में फिलहाल कोई प्राइवेट यूनिवर्सिटी नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्राइवेट यूनिवर्सिटी की स्थापना समय की मांग है और इन्हें बनाने के लिए मांगें भी मिली हैं।कई राज्यों के विपरीत, जहाँ प्राइवेट यूनिवर्सिटी उच्च शिक्षा प्रणाली का एक प्रमुख हिस्सा बन गई हैं, जम्मू-कश्मीर अभी भी सरकारी संस्थानों पर ही निर्भर है।

जम्मू को स्वच्छ बनाने के लिए जम्मू नगर निगम का बड़ा कदम; सभी वार्डों में तैनात किए गए कम्युनिटी मोबिलाइज़र

जम्मू, 24 मार्च। स्वच्छता और शहरी स्वच्छता प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जम्मू नगर निगम ने शहर के सभी वार्डों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़े कम्युनिटी मोबिलाइजर्स (सामुदायिक प्रेरकों) को तैनात किया है। ये कम्युनिटी मोबिलाइजर व्यापक डोर-टू-डोर (घर-घर) आई.ई.सी. (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियों के माध्यम से सार्वजनिक भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में घरों का दौरा करना, स्रोत पर कचरा पृथक्करण (वेस्ट सेग्रिगेशन) को बढ़ावा देना और निवासियों को स्थायी स्वच्छता प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना शामिल है। मोबिलाइजर सक्रिय रूप से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की पहचान करेंगे और रिपोर्ट करेंगे, जिसमें निर्माण और

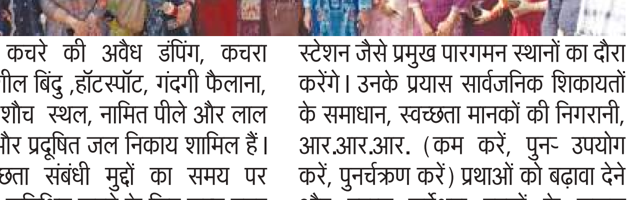

विध्वंस कचरे की अवैध डंपिंग, कचरा संवेदनशील बिंदु ,हॉटस्पॉट, गंदगी फैलाना, खुले में शौच स्थल, नामित पीले और लाल स्थान और प्रदूषित जल निकाय शामिल हैं। वे स्वच्छता संबंधी मुद्दों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने के लिए जम्मू नगर निगम स्वच्छता कर्मचारियों के साथ मिलकर समन्वय भी करेंगे। अपने आउटरीच (पहुंच) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, कम्युनिटी मोबिलाइजर नियमित रूप से सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों, थोक कचरा उत्पन्न करने वाले स्थानों (बल्क वेस्ट जनरेटर), धार्मिक स्थलों और हवाई अड्डे, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख पारगमन स्थानों का दौरा करेंगे। उनके प्रयास सार्वजनिक शिकायतों के समाधान, स्वच्छता मानकों की निगरानी, आर.आर.आर. (कम करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें) प्रथाओं को बढ़ावा देने और स्वच्छ सर्वेक्षण पहलों के सफल कार्यान्वयन का समर्थन करने पर केंद्रित होंगे। जल निकायों और तालाबों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मोबिलाइजर, आई.ई.सी. टीम के साथ मिलकर, निवासियों को इन संसाधनों के संरक्षण के महत्व और जिम्मेदार कचरा निपटान प्रथाओं को अपनाने के बारे में शिक्षित कर रहे हैं।

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए- बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरकरार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी टेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है। जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।
- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा।ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम में छात्रों ने जानी राष्ट्रीय गीत की ऐतिहासिक विरासत

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। रामगढ़ स्थित गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में 'वंदे मातरम्' के विशेष चरण का आयोजन बड़े उत्साह और देशभक्ति भाव के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इस महान राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराना तथा उनमें राष्ट्रीय की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को 'वंदे मातरम्' पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई गई जिसमें इसके उद्भव, प्रासंगिकता और स्वतंत्रता संग्राम में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कॉलेज की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मीरू अबरोल ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। इस अवसर पर पंजाबी विभाग से डॉ. स्नोबर, समाजशास्त्र विभाग से डॉ. बिसात तारिक, डोगरी विभाग से प्रो. ब्रह्म दत्त तथा शारीरिक शिक्षा विभाग से श्री अशोक कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों को कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचार साझा करते हुए 'वंदे मातरम्' की आज के समय में प्रासंगिकता और एकता व देशभक्ति को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ जिसमें आयोजन टीम के प्रयासों और छात्रों की उत्साही भागीदारी की सराहना की गई।

जीजीएम साइंस कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स का सम्मान, राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों के लिए सराहना

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उन छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने प्रतिष्ठित रिपब्लिक डे कैंप (आरडीसी) और ऑल इंडिया थल सैनिक कैंप (एआईटीएससी) में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कैडेट्स को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कॉलेज की गौरवशाली परंपरा को बनाए रखा है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में रक्षा सेवाओं में शामिल होकर देश सेवा के लिए प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर एनसीओ लेफ्टिनेंट डॉ. देविंदर कुमार शर्मा ने प्राचार्य को कैडेट्स की उपलब्धियों और आरडीसी और एआईटीएससी के दौरान विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कैडेट्स ने ड्रिल, फायरिंग और अन्य सैन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

इंडो-यूएस ट्रेड डील पर रामबन में मंथन, किसानों की चिंताओं पर गहन चर्चा

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। रामबन के डाक बंगले में आज जेकेपीसीसी किसान विभाग के चेयरमैन भारत प्रिये की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें इंडो-यूएस ट्रेड डील के जम्मू-कश्मीर के किसानों पर संभावित प्रभाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में स्थानीय नेताओं, कृषि विशेषज्ञों और किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बदलती व्यापारिक परिस्थितियों पर अपनी चिंता जताई। इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक डोगरा, जिला रामबन चेयरमैन हुकम चंद, प्रदीप कटोच सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए भारत प्रिये ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र से जुड़े स्थानीय किसानों पर दूरगामी प्रभाव डालते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की विशेष भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन समझौतों का सावधानीपूर्वक आकलन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अनियंत्रित आयात नीतियां स्थानीय उत्पादों को नुकसान पहुंचा सकती है क्योंकि विकसित देशों के सब्सिडी वाले उत्पादों से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उचित नीतिगत सुरक्षा के साथ क्षेत्र के उच्च मूल्य वाले और विशिष्ट फसलों के निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।

बैठक के दौरान मूल्य स्थिरता, बाजार तक पहुंच, स्थानीय फसलों की सुरक्षा और कृषि ढांचे को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने घटते मुनाफे पर चिंता जताते हुए सरकार से उचित मूल्य और खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। पूर्व विधायक अशोक डोगरा ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया जबकि हुकम चंद ने किसानों को बदलती व्यापार नीतियों के प्रति जागरूक करने की बात कही। भारत प्रिये ने आश्वासन दिया कि बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों को संकलित कर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर उठाया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि जेकेपीसीसी किसान विभाग किसानों की आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा और किसी भी नीति में उनके हितों से समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में आज लंबा पावरकट रहेगा

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में कल लंबा पावरकट रहेगा। के.पी.डी.सी.एल. और जे.पी.डी.सी.एल. ने 25 मार्च को कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहने का नोटिस जारी किया है। यह कटौती विभिन्न बिजली लाइनों की मरम्मत और रखरखाव के कारण की जा रही है।

के.पी.डी.सी.एल. के नोटिस के अनुसार 33 के.वी. बेमिना-फतेह कदल और 33 के.वी. बेमिना-बारबरशाह लाइन बंद रहने के कारण 25 मार्च को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक के.के. मोहल्ला, नौपोरा, बोहरी कदल, बी.बी. शाह, बिशंबर नगर, गौसिया अस्पताल, नैसादक, बारबरशाह, एक्सचेंज और बसंत बाग, कार पार्किंग मैसुमा इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

जे.पी.डी.सी.एल. जम्मू के नोटिस के अनुसार 25 मार्च को अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

सुबह 10-30 बजे से शाम 4-30 बजे तक सताने, जोहनुए बरमीन, बनिहाल हॉस्पिटल, ओल्ड नौगाम, बनकूट, गुंड, हिंजल, शेरबीबी और आसपास के इलाके व सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक- बाबलियाना, दिगियाना, इंडस्ट्रियल एस्टेट, त्रिकुटा नगर और आस-पास के इलाके, सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक- भाट्या, गंडोह, चंगा और आसपास के इलाके शामिल हैं।

बिजली विभाग ने जनता से आग्रह किया है कि इस दौरान अपने जरूरी काम समय के अनुसार निपटाएं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।।

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है। श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अमृतसर वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 26406/26405) अब जल्द ही जालंधर सिटी के बजाय गुरदासपुर और बटाला के रास्ते चलेगी।

नई समय सारिणी के अनुसार ट्रेन संख्या 26406 कटरा से सुबह 6-40 बजे रवाना होकर उसी दिन 11-40 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26405 अमृतसर से शाम 4-40 बजे रवाना होकर रात 9-45 बजे कटरा पहुंचेगी।

रूट और स्टेशनों पर ठहराव के तहत ट्रेन जम्मू, पठानकोट कैंट, पठानकोट, गुरदासपुर और बटाला रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इसके साथ ही ट्रेन संख्या 19223/19224 भी अब पठानकोट सिटी की बजाय पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

इसके मुख्य फायदे में अमृतसर और कटरा के बीच यात्रा तेज और आरामदायक होगी। जालंधर के लंबे रूट से बचा जा सकेगा। बटाला और गुरदासपुर क्षेत्र के लोगों को वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेन की सुविधा मिलेगी।

जम्मू मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और समय की बचत को ध्यान में रखते हुए यह रूट बदला गया है। हमारा उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव देना है। यात्री अपनी यात्रा शुरू करने से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट एनटी ईएस ऐप या डायल 139 से ट्रेन की सटीक जानकारी ले सकते हैं।

पुलिस ने तीन लापता लड़कियों का पता लगाया और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

जम्मू 24 मार्च (हि.स.)। लापता व्यक्तियों का पता लगाने के अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से तीन लापता लड़कियों (नाम गुप्त रखे गए हैं) का सफलतापूर्वक पता लगाया।

जौरियन की निवासी एक लापता लड़की के लापता होने की सूचना 17 मार्च, 2026 को दी गई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए जौरियन पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने निरंतर तलाशी अभियान और सत्यापन किया जिसके परिणामस्वरूप अंततः लापता लड़की का पता लगाया जा सका।

एक अन्य मामले में गजनसू की निवासी दो लापता लड़कियों के लापता होने की सूचना 16 मार्च, 2026 को दी गई थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए गजनसू सीमा पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने तकनीकी टीम की सहायता से गहन तलाशी अभियान चलाया और दोनों लड़कियों का सफलतापूर्वक पता लगाया।

ड्रेनेज व सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने वार्ड नंबर 32 स्थित सैनी मोहल्ला का दौरा कर क्षेत्र की नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया। इस दौरान जम्मू नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी, सफाई कर्मी तथा इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी-सहायक कार्यकारी अभियंता और जूनियर इंजीनियर भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने खराब ड्रेनेज व्यवस्था, सफाई संबंधी समस्याओं और मौजूदा बुनियादी ढांचे के रखरखाव को लेकर अपनी शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं।

इन समस्याओं पर गंभीरता दिखाते हुए अरविंद गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में नाले (ड्रेनेज) के निर्माण और सुधार के लिए विस्तृत एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि सैनी मोहल्ला के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा और जल्द ही आवश्यक कार्य शुरू कराया जाएगा।

विधायक ने कहा कि आवासीय क्षेत्रों में बेहतर सफाई और मजबूत बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है जिसके लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है।

26 मार्च को दुर्गाष्टमी व रामनवमी एक साथ

जम्मू, 24 मार्च (हि.स.)। जम्मू में चैत्र नवरात्र को लेकर इस वर्ष विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस बार तिथियों के विशेष संयोग के कारण पर्व अत्यंत शुभ और फलदायी रहेंगे।

उन्होंने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार गुरुवार, 26 मार्च को श्री दुर्गाष्टमी और श्री रामनवमी का पावन पर्व एक ही दिन मनाया जाएगा। यह दुर्लभ संयोग भक्तों के लिए विशेष पुण्यदायी माना जा रहा है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या:- 256,257-2025-26-ADEN-JUC & 258,259,260-2025-26-ADEN-II-ASR & 261-2025-26-SrDEN-III-FZR **दिनांक : 23.03.2026**

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता- तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 13.04.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल / सशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
21.03.2026	30.03.2026	13.04.2026 15:00 बजे

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण			
1	256-2025-26-ADEN-JUC	सहायक मंडल अभियंता-जालंधर शहर के अधीन फिल्लौर-लोहियां खास खंड पर स्थित 5 सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-24, सी-35, सी-59, सी-67 और सी-76) पर शेड लगाने का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	5,27,03,664.36	10,54,100.00	60 दिन	09 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				
2	257-2025-26-ADEN-JUC	सहायक मंडल अभियंता-जालंधर शहर के अंतर्गत जालंधर शहर-नकोदर खंड पर स्थित 02 नंबर सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-25A और सी-50) पर कवर शेड का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	1,74,08,311.30	3,48,200.00	60 दिन	06 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				
3	258-2025-26-ADEN-II-ASR	सहायक मंडल अभियंता-द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत व्यास-खादुर साहिब पर स्थित 05 नंबर सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-4, सी-14, सी-17, सी-19 और सी-24) पर कवर शेड का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	4,24,55,162.59	8,49,100.00	60 दिन	09 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				
4	259-2025-26-ADEN-II-ASR	सहायक मंडल अभियंता-द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत खादुर साहिब-तरन तारण पर स्थित 06 नंबर सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-37, सी-38, सी-40, सी-56, सी-57 और सी-62) पर कवर शेड का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	5,53,31,582.39	11,06,600.00	60 दिन	09 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				
5	260-2025-26-ADEN-II-ASR	सहायक मंडल अभियंता-द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत अमृतसर-पट्टी पर स्थित 06 नंबर सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-23, सी-31, सी-32, सी-34, सी-41 और सी-47) पर कवर शेड का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	5,28,91,511.07	10,57,800.00	60 दिन	09 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				
6	261-2025-26-SrDEN-III-FZR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम और द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत पट्टी-खेम करण खंड पर स्थित 4 नंबर सीमित ऊंचाई वाली सबवे (सी-68, सी-72, सी-78) और वेरका-डेरा बाबा नानक खंड पर स्थित सी-57 पर कवर शेड का प्रावधान।			
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि	
	3,75,31,816.25	7,50,600.00	60 दिन	09 महीने	
	सामान प्रकृति का कार्यः- " ट्रैक निर्माण कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य ।"				

नोट : **1.** निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

991/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सड़क सुरक्षा जागरूकता सेमिनार आयोजित

कठुआ, 24 मार्च (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर में रोड सेफ्टी कमेटी द्वारा सड़क सुरक्षा आपका जीवन आपकी जिम्मेदारी विषय पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग जे-के के निर्देशों के तहत आयोजित किया गया।

सेमिनार में सेमेस्टर 2, 4 और 6 के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। करीब 15 छात्रों ने ट्रैफिक नियमों का पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव और सड़क सुरक्षा में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कई छात्रों ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी जिससे कार्यक्रम रोचक व ज्ञानवर्धक बना।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन ने अपने संबोधन में सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार की अहमियत पर जोर देते हुए छात्रों से ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कॉलेज के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

सेमिनार में सड़क सुरक्षा को हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी बताते हुए मोबाइल का प्रयोग न करने, गति सीमा का पालन करने और ट्रैफिक नियमों का सम्मान करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में रोड सेफ्टी कमेटी की संयोजक मिस निशा कुमारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION CHENANI

NOTICE INVITING TENDER
Fresh e-NIT No. 95 of 2025-26 Dated 23-03-2026

For and on behalf of the **Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir** e-tenders are invited on **percentage basis** from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works:-

S. No.	Name of Work	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Cost of document (in Rs)	Earnest Money	Time Allowed for completion	Class of Contrac-tor	Head of Account
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AT PRIMARY SCHOOL TARKUNDA. (3rd Call)	1.75	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"
2.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AT PRIMARY SCHOOL RASSOIN. (3rd Call)	1.75	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"
3.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AT PRIMARY SCHOOL MOHALLA JAIL DHARAN. (3rd Call)	1.75	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"
4.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AT MOBILE PRIMARY SCHOOL DIYALI. (4th Call)	1.75	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"
5.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AND BOYS TOILET AT PRIMARY SCHOOL SANTHI. (3rd Call)	4.12	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"
6.	CONSTRUCTION OF GIRLS TOILET AT PRIMARY SCHOOL UPPER RAMBAL. (4TH Call)	1.75	600/	@2% of advertised cost	30 Days	"D"	"UNDER SAMAGRA"

Position of AAA:- **Accorded**
Position of T.S:- **Accorded**
Position of Funds:- **Available**

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website **http://jktenders.gov.in** as per below schedule:-

1	Date of Issue of Tender Notice	23-03-2026
2	Period of downloading of bidding documents	From 23-03-2026 to 30-03-2026 1800 Hrs
3	Date, Time and place of pre-bid meeting.	-
4	Bid submission Start Date	23-03-2026 from 1800 Hrs
5	Bid Submission End Date	30-03-2026 up to 1800 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	31-03-2026 on or after 1200 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani.
7	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed.

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of **e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, name / e-NIT No. of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ Bid Security/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani** as mentioned in the bid documents. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan.
2. The electronic bidding system would not allow any late submission of bids after due date and time as per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not make any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential- submission of bids is allowed any number of times.

The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.

3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site **www.jktenders.gov.in** and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The **Financial-bids of Responsive bidders** shall be opened online in the **Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani**. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain **valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.**
5. **The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Years from the date of notification, If:-**

a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.

b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.

6. **Instruction to bidders regarding e-tendering process.**

6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the **"Downloads"** option as well as from **"Bidders Manual Kit"** on website **www.jktenders.gov.in** to acquaint bid submission process.

6.2. To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.

6.3. The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.

6.4. Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.

6.5. Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.

Note: - Scan all the documents on 100 dpi with black and white option.

7. The department will not be responsible for delay in online submission due to any reasons.
8. Scanned copy of cost of tender document in shape of **e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, name e-NIT No. of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan/ Bid Security/Affidavits between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Chenani**
9. Bidders may contact office of the **Chief Engineer PW (R&B) Department, Jammu** or concerned Executive Engineer for any guidance for getting DSC or any other relevant details in respect of e-tendering process.

No:- EE/C/ 11781-88
Dated:- 23-03-2026

DIP/J-13076/25
Dtd:24-3-2026

-sd-
(Er. Raman Kumar)
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Chenani

संपादकीय

क्या गुब्बारे सीमा सुरक्षा के लिए चुनौती बन रहे हैं?

यह मुद्दा उतना मामूली नहीं लगता जितना यह दिखाई देता है, क्योंकि पाकिस्तानी निशान वाले संदिग्ध गुब्बारों के भारतीय आसमान में घुसने की घटनाएं बहुत ज़्यादा बढ़ गई हैं। इससे पता चलता है कि संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में सब कुछ ठीक नहीं है। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों के पास बसे गांवों में कई गुब्बारे बार-बार मिले हैं; इन पर अक्सर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस या पाकिस्तान जिंदाबाद लिखा होता है, या फिर इन्हें हवाई जहाज के आकार में बनाया गया होता है। ऐसी घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने स्थानीय लोगों और सुरक्षा एजेंसियों, दोनों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये देखने में भले ही हानिरहित लगें, लेकिन ये किसी बड़ी और सोची-समझी योजना का हिस्सा हो सकते हैं।

हाल ही के एक मामले में, 22 मार्च 2026 को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के बखोघ गांव में एक ऐसा ही गुब्बारा, जिसके साथ पाकिस्तानी झंडा भी लगा था, बरामद किया गया। भारतीय सीमा के इतने अंदर ऐसी घटना होने से स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि ये गुब्बारे इतनी लंबी दूरी तय करके यहां तक कैसे पहुंच जाते हैं, और पहले इनका पता क्यों नहीं चल पाता। सबसे ताज़ा घटना जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले से सामने आई है, जहां एक दिन पहले ही पुरमंडल इलाके और नुड ब्लॉक के टैंथ गांव में पाकिस्तानी निशान वाले दो संदिग्ध गुब्बारे बरामद किए गए। अलग-अलग जगहों पर बार-बार इस तरह के गुब्बारे मिलना एक ऐसे पैटर्न की ओर इशारा करता है, जिसे महज़ एक संयोग या किसी की शरारत मानकर नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

इन घटनाओं की बारंबारता और भौगोलिक विस्तार को देखते हुए, अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह ज़रूरी हो गया है कि वे ऐसे तकनीकी विशेषज्ञों और जानकारों को शामिल करें, जो इन गुब्बारों की बारीकी से जांच कर सकें और भारतीय हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रही इस तरह की घुसपैठ के पीछे की असली वजह का पता लगा सकें। आधुनिक सुरक्षा चुनौतियां लगातार जटिल होती जा रही हैं; ऐसे में गुब्बारों जैसी देखने में बेहद साधारण लगने वाली चीज़ों का इस्तेमाल भी जासूसी, संकेत भेजने, दुष्प्रचार करने या तकनीकी प्रयोगों के लिए किया जा सकता है। जैसे-जैसे युद्ध के पारंपरिक तरीकों की जगह धीरे-धीरे नए और आधुनिक युद्ध-कौशल ले रहे हैं, ऐसे घटनाक्रमों को नज़रअंदाज़ करना या उन्हें हल्के में लेना एक बहुत बड़ी भूल साबित हो सकती है।

पाकिस्तान पहले से ही सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहा है, जिनके ज़रिए वह भारतीय सीमा में हथियार, नशीले पदार्थ और अन्य प्रतिबंधित सामानों की तस्करी करता है। इसलिए, अब इस बात की बारीकी से जांच करना बेहद ज़रूरी हो गया है कि क्या ये गुब्बारे किसी ऐसी नई रणनीति का हिस्सा तो नहीं हैं, जिसका मकसद भारत की जवाबी कार्रवाई प्रणालियों (response systems) की परख करना या फिर कोई संवेदनशील जानकारी जुटाना है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि निगरानी तंत्र (surveillance networks) की कमज़ोरियों का पता लगाने के लिए अक्सर इस तरह की गैर-पारंपरिक युक्तियों का सहारा लिया जाता है; ऐसे में, बार-बार होने वाली ये घटनाएं शायद भारत की जवाबी कार्रवाई में लगने वाले समय और उसकी पहचान करने की क्षमताओं का आकलन करने की ही एक कोशिश हो सकती हैं। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि इस साल फरवरी महीने में, अखनूर सेक्टर से दो गुब्बारे बरामद होने की खबर आई थी, जिनके साथ पाकिस्तान का 5,000 रुपये का नोट और एक अमेरिकी डॉलर जुड़ा हुआ था। इन गुब्बारों पर एक पाकिस्तानी मोबाइल नंबर और एक त्क्र कोड भी था, जिससे यह घटना और भी ज़्यादा दिलचस्प और संदिग्ध हो गई। यह पहली बार था जब सीमा पार से बहकर आने वाले इन तथाकथित बिन बुलाए मेहमानों के साथ विदेशी करेंसी के नोट जुड़े हुए पाए गए थे।

इस तरह की घटनाओं के बार-बार होने को देखते हुए, इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान शायद गुप्त संचार या जासूसी के किसी नए तरीके का प्रयोग कर रहा हो। हालांकि, इन गुब्बारों को भेजने के पीछे का असली मकसद अभी भी साफ नहीं है, लेकिन यह जासूसी गतिविधियों से लेकर मनोवैज्ञानिक चालों या फिर तकनीकी प्रयोगों तक कुछ भी हो सकता है। मकसद चाहे जो भी हो, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इस मामले को पूरी तत्परता और गंभीरता से लेना चाहिए। इन रहस्यमयी गुब्बारों के पीछे के मकसद को समझना और इस पहेली को जल्द से जल्द सुलझाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि ऐसे घटनाक्रमों को समझने में होने वाली कोई भी देरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारी पड़ सकती है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक भू-

खेलो इंडिया जनजातीय खेल- भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों मे सात पदक खेल शामिल होंगे—एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन , तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ

लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं। कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है। वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण—खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत—आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके। ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के

लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दर्शाते हैं। कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं। इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें। जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ी—विशेषकर जनजातीय समुदायों से—अवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरुआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चैंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

(लेखक भारत सरकार में युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं।)

प्राकृतिक संसाधन- सृष्टि की साझा धरोहर, मानवता का नैतिक न्यास दायित्व

कैलाश चन्द्र

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीव-जंतु और ऊर्जा स्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते। पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है।

भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। 'अथर्ववेद' में कहा गया है माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।

अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य ईशावास्यमिदं सर्वं इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं।

इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक और न्यासी कह सकता है। उसके पास उपयोग का अधिकार है, स्वामित्व का नहीं। एक न्यासी संसाधनों का संरक्षण करता है, उनका विनाश नहीं करता। वर्तमान विश्व व्यवस्था ने इस मूलभूत सत्य को पीछे छोड़ दिया है। देखा यह जा रहा है कि जो संसाधन मानवता की सामूहिक धरोहर थे, वे अब संपत्ति, राजनीतिक शक्ति, भू रणनीतिक हथियार और औद्योगिक लाभ के साधन बन गए हैं। पश्चिम एशिया में तेल कुओं पर हमले, रूस यूक्रेन संघर्ष में गैस पाइपलाइन का टूटना या अफीका में खनिज क्षेत्रों को लेकर गृहयुद्ध, ये सभी घटनाएँ केवल स्थानीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव डालती हैं।

तेल महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ती है, बिजली दरें ऊँची होती हैं और खाद्य संकट गहराता है। अंततः सबसे अधिक पीड़ा उस सामान्य जन को झेलनी पड़ती है जिसने न युद्ध किया और न संसाधनों का दुरुपयोग किया। यह वैश्विक अन्याय का विकृत स्वरूप है। प्राकृतिक संसाधनों की हानि केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन को भी प्रभावित करती है। एक जंगल के कटने से वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, जल संचयन और वन्य जीवन सब प्रभावित होते हैं। समुद्र में तेल रिसाव से केवल समुद्री जीवन नहीं, बल्कि वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु संकट भी उत्पन्न होता है।

जल प्रदूषण एक नदी को नहीं, बल्कि उससे जुड़े संपूर्ण जीवन तंत्र को प्रभावित करता है। इसलिए यह कहना अधूरा है कि संसाधनों की हानि केवल एक राष्ट्र की हानि है। वास्तविकता यह है कि यह पूरी सृष्टि की हानि है। भारतीय दर्शन इस व्यापक दृष्टि को वसुधैव कुटुम्बकम् के रूप में प्रस्तुत करता है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी एक परिवार है और संसाधनों का उपयोग समानता, संयम और कल्याण के आधार पर होना चाहिए।

आधुनिक पर्यावरण दर्शन भी इसी को पर्यावरणीय न्याय के रूप में स्वीकार करता है, जिसमें संसाधनों का समान उपयोग, समान उपलब्धता और समान संरक्षण आवश्यक माना गया है, किन्तु वर्तमान विश्व इस मार्ग से भटक गया है। संसाधनों से सम्पन्न देश उन्हें शक्ति और दबाव के साधन के रूप में प्रयोग करते हैं, जबकि निर्भर देश असुरक्षित और अस्थिर बने रहते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक असमानता भी है।

यदि किसी देश या क्षेत्र को अधिक संसाधन प्राप्त हैं, तो उसका प्रथम दायित्व उनका संरक्षण होना चाहिए न कि उनका शोषण। भारतीय परंपरा प्रकृति को माता मानती है और सिखाती है कि संसाधनों का उपयोग संयम और सह अस्तित्व के साथ किया जाए। यह दर्शन हमें अधिक उपभोग नहीं, बल्कि सतत और संतुलित उपभोग का मार्ग दिखाता है। मानवता को यदि संसाधनों को लेकर संघर्ष समाप्त करना है, तो उसे यह समझना होगा कि वह पृथ्वी का स्वामी नहीं, बल्कि संरक्षक है।

महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित न्यास सिद्धांत भी यही बताता है कि संपत्ति का उपयोग लोकहित में होना चाहिए। यही सिद्धांत प्राकृतिक संसाधनों पर भी लागू होता है कि उनका उपयोग सृष्टि हित में हो, न कि स्वार्थ के लिए। यदि किसी क्षेत्र में तेल है तो वह केवल वहाँ के लोगों का नहीं, बल्कि समस्त मानवता का है। यदि किसी देश में वन हैं, तब वे पूरे पृथ्वी के पर्यावरण संतुलन का आधार हैं। यदि किसी नदी का स्रोत किसी देश में है, तब उसका जल संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र का है, इसलिए संसाधनों पर एकाधिकार की सोच सीमित और स्वार्थपूर्ण है। इसके विपरीत, भारतीय दर्शन सिखाता है कि सृष्टि की रक्षा ही मानवता की रक्षा है।

यह समझ लीजिए कि प्रकृति की समृद्धि में ही सभ्यता का भविष्य निहित है और संसाधनों की समानता में ही विश्व कल्याण संभव है। अतः आज आवश्यकता है कि वैश्विक समाज इस सत्य को स्वीकार करे कि पृथ्वी की धरोहर का संरक्षण, संतुलित उपयोग और न्यायपूर्ण वितरण हम सबका साझा दायित्व है। यही दृष्टि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और संतुलित संसार प्रदान कर सकती है। संसाधन पृथ्वी के हैं, हम केवल उनके संरक्षक हैं और संरक्षक का धर्म संरक्षण है, शोषण नहीं। इसी में विश्व कल्याण, वैश्विक शांति और मानवता के उवल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला निहित है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

वैश्विक ऊर्जा संकट 1970 के दशक से भी भयंकर और भारत!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल द्वारा दी गई चेतावनी कि यह संकट 1970 के दशक के तेल संकट से भी अधिक गंभीर हो सकता है, वर्तमान स्थिति की भयावहता को रेखांकित करती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को अस्थिर कर दिया है, जिससे ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता चरम पर पहुंच गई है।

इतिहास में पीछे जाएं और 1970 के दशक को देखें तो ध्यान में आता है कि उस दौरान भी तेल संकट मुख्यतः उत्पादन में कटौती और राजनीतिक दबावों के कारण उत्पन्न हुआ था, किंतु उस तुलना में वर्तमान संकट कहीं अधिक जटिल है।

इसमें सैन्य संघर्ष, समुद्री मार्गों पर खतरा, साइबर और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान को दी गई सख्त चेतावनी कि यदि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को नहीं खोला गया तो ईरानी ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जाएगा ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।

इसी के समानांतर, इजराइल ने भी अपने सैन्य अभियानों को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ गई है। मिसाइल हमलों और जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को भी बाधित किया है। जबकि ये सर्वविदित है कि 'होर्मुज जलडमरूमध्य' विश्व के कुल तेल और गैस परिवहन का लगभग 20 फीसद वहन करता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल।

वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगातार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है।

भारत के लिए चुनौती और अवसर

भारत, जोकि अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, इस संकट से सीधे प्रभावित होने वाला देश है। फिर भी, इस संकट के दौरान भारत ने जिस प्रकार बहुस्तरीय रणनीति अपनाई है, वह उल्लेखनीय है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीति, सैन्य तैयारी और आर्थिक प्रबंधन का संतुलित समन्वय प्रस्तुत किया है। जहां कई देश केवल प्रतिक्रिया देते नजर आए, वहीं भारत ने सक्रिय नीति अपनाते हुए संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया।

भारत ने इस पूरे संघर्ष में किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संतुलित कूटनीति अपनाई। ईरान, खाड़ी देशों और पश्चिमी शक्तियों के साथ संवाद बनाए रखते हुए भारत ने अपने जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित किया। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। साथ ही, वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक जिम्मेदार और विश्वसनीय शक्ति के रूप में मजबूत हुई।

भारत ने संकट के शुरुआती चरण में ही अपनी नौसेना को सक्रिय कर दिया। संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में एस्कॉर्ट ऑपरेशन चलाए गए, जिससे भारतीय टैंकरों को सुरक्षित मार्ग मिल सका। 'जग लाडकी', 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' जैसे टैंकरों की सुरक्षित वापसी इस रणनीति की सफलता का प्रमाण है। इन जहाजों के माध्यम से कच्चे तेल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई, जिससे देश में ऊर्जा संकट टल गया।

एक तरह से देखा जाए तो ऊर्जा संकट के दौरान सबसे बड़ा खतरा आपूर्ति में कमी नहीं, घबराहट होता है। भारत ने इसे समझते हुए आपूर्ति प्रबंधन को प्राथमिकता दी। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, जबकि औद्योगिक उपयोग को नियंत्रित किया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप, देश में गैस और ईंधन की व्यापक कमी या सामाजिक असंतोष देखने को नहीं मिला।

कीमत नियंत्रण और आर्थिक संतुलन

वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। यह संभव हुआ कर नीति, वैकल्पिक स्रोतों से आयात और कुशल आपूर्ति प्रबंधन के कारण। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि महंगाई पर नियंत्रण बना रहा और आर्थिक गतिविधियां बाधित नहीं हुईं। जहां कई देशों में ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था को झटका दिया, वहीं भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहा।

यहां उल्लेखित है कि पिछले एक दशक में भारत ने ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। रूस, अमेरिका और अन्य देशों से आयात बढ़ाने की नीति ने इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका परिणाम यह हुआ कि किसी एक क्षेत्र में संकट आने के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह बाधित नहीं हुई। यह रणनीति भविष्य के लिए भी ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार करती है।

संकट प्रबंधन में डिजिटल तकनीक का उपयोग भी भारत की सफलता का एक प्रमुख कारण रहा। रियल-टाइम डेटा के माध्यम से आपूर्ति और वितरण की निगरानी की गई, जिससे त्वरित निर्णय लेना संभव हुआ। राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया गया। इससे संकट अराजकता में परिवर्तित नहीं हुआ और व्यवस्था बनी रही।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत एक 卐संतुलनकारी शक्ति卐 के रूप में उभरा है। वैश्विक नेताओं द्वारा यह संकेत दिया जाना कि भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है, उसकी बढ़ती कूटनीतिक शक्ति का प्रमाण है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक विश्व में ऊर्जा सुरक्षा उनके प्रबंधन और रणनीतिक नियंत्रण का विषय है।

वर्तमान संघर्ष के कारण कई टैंकर इस मार्ग से गुजरने में असमर्थ रहे हैं और सैकड़ों जहाज खाड़ी में लंगर डाले प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस स्थिति के चलते वर्तमान में ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक मुद्रास्फीति के बढ़ने का भी संकेत लगातार मिल रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सदस्य देशों ने 40 करोड़ बैरल तेल अपने रणनीतिक भंडार से जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने का प्रयास है, किंतु यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो यह उपाय भी सीमित साबित हो सकता है।

इस संकट के बीच भारत ने जिस प्रकार संतुलित कूटनीति, सैन्य तैयारी, आर्थिक नीति और प्रशासनिक दक्षता का समन्वय किया, वह एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है। भविष्य में, जैसे-जैसे वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेंगे, ऊर्जा सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। ऐसे में भारत की रणनीति उसे संकट से उबारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि कहना होगा कि उसे वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फिलहाल तो यही नजर आ रहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आईपीएल से पहले पंजाब किंग्स को रिकी पोंटिंग का मंत्र- फिटनेस, तकनीक और मानसिक मजबूती पर दें ध्यान

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगाज से पहले पंजाब किंग्स ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कैंप से जुड़ते ही खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया कि सफलता के लिए प्रक्रिया पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। पोंटिंग ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय केवल अभ्यास का नहीं, बल्कि खुद को शारीरिक, तकनीकी और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार करने का है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे पहले मुकाबले से पहले अपनी तैयारियों को सर्वोच्च स्तर तक पहुंचाएं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने यह भी स्पष्ट किया कि खेल में गलतियां होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी कैच छोड़ सकते हैं, खराब शॉट खेल सकते हैं या गेंदबाजी में गलतियां कर सकते हैं, लेकिन अगर वे अपनी योजना और खेल शैली के अनुसार खेलते हैं, तो यह वास्तविक गलती नहीं मानी जाएगी। पोंटिंग ने खिलाड़ियों को पिछले सीजन के प्रदर्शन को याद करने और उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उनका मानना है कि निरंतरता, टीमवर्क और स्पष्ट रणनीति ही टीम को सफलता दिला सकती है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है, और पंजाब किंग्स अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को खेलेगी। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि मजबूत तैयारी और सकारात्मक माहौल के साथ टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी।

आईपीएल : सैम करन की जगह दासुन शनाका राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में बदलाव करते हुए श्रीलंका के ऑलराउंडर दासुन शनाका को इंग्लैंड के चोटिल खिलाड़ी सैम करन के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया है। शनाका को फ्रेंचाइजी ने 2 करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा है। शनाका एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्होंने श्रीलंका के लिए 6 टेस्ट, 71 वनडे और 131 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3350 से अधिक रन और 86 विकेट दर्ज हैं। वह इससे पहले आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेल चुके हैं। शनाका पाकिस्तान सुपर लीग में लाहौर कलंदर्स के लिए खेलने वाले थे, लेकिन अब वह राजस्थान रॉयल्स के साथ नजर आएंगे। सैम करन इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स से ट्रेड होकर राजस्थान में शामिल हुए थे, लेकिन ग्रोइन इंजरी के कारण पूरे आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी।

इंग्लैंड टीम में एजे की जगह न्यूकैसल के बार्न्स शामिल

लंदन : न्यूकैसल के विंगर हार्वे बार्न्स को थॉमस टुचेल की इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने घायल आर्सेनल मिडफील्डर एबेरेची एजे की जगह ली है। एजे रविवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ काराबाओ कप फाइनल में आर्सेनल की 2-0 से हुई हार वाली टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। बार्न्स को इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में टीम में बुलाया गया था। उस समय उन्होंने वेल्स के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र मैच खेला था। स्कॉटलैंड ने बार्न्स को अपनी अंतरराष्ट्रीय निष्ठा बदलने और इस गर्मी में होने वाले विश्व कप में स्टीव क्लार्क की टीम के लिए खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। 28 वर्षीय बार्न्स अपने दादा-दादी के कारण स्कॉटलैंड की ओर से खेलने के योग्य थे। लेकिन बार्न्स ने स्कॉटलैंड के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब उन्हें उरुग्वे और जापान के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैचों के लिए टुचेल की टीम में बुलाया गया है। इन मैचों में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जो टीम में अपनी नियमित जगह बनाने की दौड़ में हैं। 'थ्री लायंस'(इंग्लैंड टीम) का मुकाबला 27 मार्च को उरुग्वे और 31 मार्च को जापान से होगा। ये दोनों मैच वेम्बली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बार्न्स ने इस सीजन में न्यूकैसल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 14 गोल किए हैं।

दिल्ली गोल्फ क्लब मेंबर्स लीग का पांचवां संस्करण 26 मार्च से होगा शुरू

नई दिल्ली। रेडिको द्वारा संचालित दिल्ली गोल्फ क्लब मेंबर्स लीग का 5वां संस्करण 26 मार्च, 2026 को प्रतिष्ठित दिल्ली गोल्फ क्लब में शुरू होगा, जो भारत की प्रमुख एमेच्योर गोल्फ लीग के रूप में अपनी स्थिति को फिर से साबित करेगा। 24 टीमों और 480 गोल्फरों को शामिल करते हुए, यह लीग जूनियर्स, महिलाओं, वरिष्ठ सदस्यों और अनुभवी खिलाड़ियों के एक विविध समूह को एक अनोखे रूप से समावेशी और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी प्रारूप में एक साथ लाती है। यह टूर्नामेंट 18 अप्रैल, 2026 को भव्य समापन के साथ समाप्त होगा। 2021 में अपनी शुरुआत के बाद से, लीग ने उल्लेखनीय वृद्धि देखी है-18 टीमों से बढ़कर 24 टीमें-जो भारतीय गोल्फ में इसके बढ़ते कद को रेखांकित करता है। 2024 के संस्करण का समापन बेहद रोमांचक रहा, जिसमें एमएमजी कोका-कोला और टी बर्ड्स ने एक ज़बरदस्त प्लेऑफ़ के बाद संयुक्त रूप से खिताब साझा किया, जो पांच होल के बाद भी अनिर्णित रहा था।

हॉकी इंडिया वार्षिक अवॉर्ड्स में नामित होने पर हार्दिक और नवनीत ने जताया आभार, बड़े टूर्नामेंट्स पर नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के 8वें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में नामांकन मिलने के बाद भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक सिंह और नवनीत कौर ने खुशी जताते हुए इसे अपनी मेहनत की पहचान बताया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि इस सम्मान ने उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है और अब उनकी नजर आगामी बड़े टूर्नामेंट्स पर है। नई दिल्ली में 27 मार्च को आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित समारोह में हार्दिक सिंह और नवनीत कौर को 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा हार्दिक को 'अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर' और नवनीत को 'धनराज पिल्लै फॉरवर्ड ऑफ द ईयर' के लिए भी नामांकन

मिला है। साल 2025 में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हार्दिक सिंह ने राजगीर, बिहार में आयोजित हीरो एशिया कप में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं नवनीत कौर ने महिला एशिया कप 2025 में छह गोल दागकर टीम को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया और इसी दौरान अपने 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर्स में भी नवनीत ने चार गोल कर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीता, जहां भारत ने रजत पदक हासिल किया।हार्दिक सिंह ने अपने बयान में कहा कि इस तरह के अवॉर्ड्स खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण को पहचान देते हैं, जिससे आगे और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने एशिया कप जीत को अपने करियर का खास पल बताते हुए कहा कि टीम ने मुश्किल हालात में एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं नवनीत कौर ने कहा कि यह नामांकन उनके लिए गर्व की बात है और वह इसके लिए अपने परिवार व टीम साथियों की आभारी हैं। उन्होंने कहा कि लगातार मेहनत और अनुभव के दम पर वह अपने खेल में सुधार करती रही हैं।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका क्वार्टरफाइनल में, गॉफ, मुचोवा और म्बोको भी अंतिम 8 में

एजेंसी

मियामी। मियामी ओपन 2026 में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने चीन की झेंग किनवेन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 25 मिनट तक चला। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना) के करीब पहुंच गई हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका का मुकाबला अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट से होगा, जिन्होंने जेलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं, अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने रोमानिया की सोराना सर्स्टिया को कड़े मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। गॉफ को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन तीसरे सेट में उन्होंने दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। चेक गणराज्य की करोलिना मुचोवा ने एकतरफा मुकाबले में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा ईला को 6-0, 6-2 से हराकर आसानी से क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6(4), 4-6, 6-0 से हराया। म्बोको ने निर्णायक सेट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम किया। अब क्वार्टरफाइनल में म्बोको का मुकाबला मुचोवा से होगा, जहां दोनों खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी।

मियामी ओपन 2026: सिनर ने 'सनशाइन डबल' की उम्मीदें रखीं जिंदा, मेदवेदेव और मेंसिक बाहर

एजेंसी

मियामी। मियामी ओपन 2026 में इटली के स्टार खिलाड़ी जानिक सिनर ने शानदार जीत के साथ अपने 'सनशाइन डबल (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना) ' के सपने को जिंदा रखा है। सिनर ने तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली।

इससे पहले वह इस महीने इंडियन वेल्स खिताब भी जीत चुके हैं और अब लगातार दूसरा बड़ा खिताब जीतने की दौड़ में हैं। सिनर का अगला मुकाबला अमेरिका के एलेक्स माइकलसन से होगा, जिन्होंने चिली के एलेजांद्रो टैबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। वहीं, मौजूदा चैंपियन याकुब मेंसिक को बड़ा झटका लगा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने कड़े मुकाबले में 7-6 (7/4), 4-6, 7-6 (13/11) से हराया। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने 6-0, 4-6, 7-5 से हराया। इससे पहले कार्लोस अल्काराज, एलेक्स डी मिनौर और बेन शेल्टन जैसे बड़े खिलाड़ी भी बाहर हो चुके हैं। फ्रांसेस टियाफो अब अगले दौर में फ्रांस के टेरेंस एटमाने से भिड़ेंगे, जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को हराकर उलटफेर किया।

अन्य मुकाबलों में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्रोएशिया के मारिन चिलिच को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया, जबकि फ्रांस के उगो हम्बर्ट ने अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया। मियामी ओपन में इस बार कई बड़े उलटफेर देखने को मिल रहे हैं, जिससे टूर्नामेंट और भी रोमांचक हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए संतुलित और मजबूत टीम चुनी है, जिसकी कमान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना निभाएंगी।

टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और श्रेयंका पाटिल जैसे नाम टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। इसके अलावा कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जिनमें काश्वी गौतम, क्रांति गौड़ और श्री चारणी शामिल हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह टी20 सीरीज 17 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। सीरीज का दूसरा मैच 19, तीसरा 22 और चौथा 25 अप्रैल को खेला जाएगा। पहला और दूसरा मुकाबला

डरबन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में आयोजित होगा। सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 27 अप्रैल को खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम और रात में खेले जाएंगे, जिससे भारतीय दर्शकों के लिए भी यह सीरीज आकर्षण का केंद्र बनी रहेगी।

यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है और टीम इंडिया इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहेगी।

भारतीय टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चारणी, श्रेयंका पाटिल, काश्वी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए केयली नाइट को पहली बार न्यूज़ीलैंड की वनडे टीम में मौका

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी वनडे सीरीज के लिए तेज गेंदबाज केयली नाइट को पहली बार टीम में शामिल किया है। यह उनका पहला महिला वनडे कॉल-अप है। केयली नाइट ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था, जहां उन्होंने दो मैचों में दो विकेट हासिल किए थे। वह 2023 अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें यह मौका मिला है। 2025/26 सुपर स्मैश में नॉर्दर्न ब्रेव के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 विकेट झटके और टीम की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल गेंदबाज रहीं। इसके अलावा 50 ओवर के प्रारूप में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहां उन्होंने हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड में 17 विकेट लेकर टीम को पहला

खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड की मुख्य कोच बेन सॉयर ने नाइट के चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें पहली वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल करना काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि नाइट के पास अच्छी गति और नियंत्रण है, और उनकी शॉर्ट बॉल बल्लेबाजों के लिए चुनौती बनती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके पास खुद को साबित करने की क्षमता है। वहीं टीम में सुजी बेट्स, फ्लोरा डेवोनशायर और जॉर्जिया प्लिमर की चोट के बाद वापसी हुई है, जबकि एमा मैकलियोड, पॉली इंग्लिस और बेला जेम्स को बाहर किया गया है। केयली नाइट ने मौली पेनफोल्ड की जगह ली है। फिलहाल न्यूजीलैंड टीम टी20 सीरीज में 3-1 से आगे है और आखिरी मैच 25 मार्च को खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 29 मार्च से शुरू होगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीमः मेलि केर (कप्तान), सुजी बेट्स, फ्लोरा डेवोनशायर, इज़्ज़ी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, जेस केर, केयली नाइट, रोजमेरी मायर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर और इज़्ज़ी शार्प।

आरपीएल : चबुतरी मैजिकल स्टार अंतिम चार में, पहला सेमीफाइनल टाई

एजेंसी

प्रयागराज। चबुतरी मैजिकल स्टार ने यूथ फैब्रिकेशन को एक रन से हराकर रसूलपुर प्रीमियर लीग (आरपीएल) के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं वसीयाबाद टाइगर और प्रयाग पेंट के बीच खेला गया पहला सेमीफाइनल मुकाबला टाई हो गया। कम रोशनी के कारण मैच को मंगलवार को सुपर ओवर कराया जाएगा। मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में चबुतरी मैजिकल स्टार ने 10 ओवर में छह विकेट पर 88 रन बनाए। जवाब में यूथ फेब्रिकेशन की टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 87 रन ही बना सकी। मैच से पहले वार्ड नंबर 77 के पूर्व पार्षद वसीम अहमद (गुड्डू) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल प्रयाग पेंट और वसीयाबाद टाइगर के बीच खेला जा रहा था। प्रयाग पेंट ने 10 ओवर में 5 विकेट पर 130 रन बनाए। जवाब में वसीयाबाद टाइगर की टीम भी 10 ओवर में चार विकेट पर 130 रन बना सकी। रोशनी कम होने के कारण सुपर ओवर नहीं कराया जा सका। अब यह मैच मंगलवार को पूरा कराया जाएगा। इसके बाद दूसरा सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबला खेला जायेगा।

जॉर्जिया वोल के तूफानी शतक की बदौलत तीसरे टी 20 में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 40 रन से हराया

एजेंसी

सेंट विंसेंट। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने जॉर्जिया वोल के शानदार शतक की बदौलत वेस्टइंडीज को सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 40 रन से जीत दर्ज की।

जॉर्जिया वोल ने 52 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल रहे। वोल की इस दमदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट पर 211 रन बनाए, जो 2023 के बाद उनका सर्वोच्च टी20 स्कोर और कुल मिलाकर पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। वोल अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में शतक लगाया है, जिसमें मेग लैनिंग, बेथ मूनी और एलिसा हीली जैसे बड़े नाम शामिल हैं। टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा

रन सोफी मोलिनेक्स ने बनाए, जिन्होंने 12 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेली।लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत एक बार फिर खराब रही और टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की टीम संघर्ष करती नजर आई और बारिश आने तक वह डीएलएस लक्ष्य से काफी पीछे थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लूसी हैमिल्टन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना पहला विकेट हासिल किया, जबकि एलिस पेरी ने भी लंबे समय बाद इस फॉर्मेट में विकेट लिया। इस मैच में जॉर्जिया वोल ने गेंदबाजी में भी हाथ आजमाया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार ओवर डाला। वहीं उपकप्तान ताहलिया मैक्ग्रा इस मैच में कुछ खास नहीं कर सकीं और सस्ते में आउट हो गईं। वेस्टइंडीज के लिए हेले मैथ्यूज ने गेंदबाजी में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन बल्लेबाजी में टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल सकी। अब यह दौरा वनडे सीरीज की ओर बढ़ेगा, जिसमें दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज सेंट किट्स में शुक्रवार से शुरू होगी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट (सीजन 4.0) में मुरादाबाद के मिर्जा दानिश आलम का चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (सीजन 4.0) में इंडिया कैप्टन टीम में पीतलनगरी मुरादाबाद के युवा क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम का चयन होने से पूरे जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई है। सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत और लगन से पहचान बनाने वाले दानिश आलम की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक मानी जा रही है।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने सोमवार को बताया कि मिर्जा दानिश आलम ने अपने क्रिकेट करियर में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। वे इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ मैदान साझा कर चुके हैं और अपने खेल से क्रिकेट प्रेमियों

का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। अब लीजेंड्स लीग जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उनका चयन होना उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। दानिश आलम ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि उनकी टीम के कप्तान दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर हाशिम अमला हैं। इसके अलावा टीम में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल हैं, जिनके साथ खेलना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न सिर्फ उनके लिए, बल्कि मुरादाबाद शहर के लिए भी गौरव का विषय है।

श्याम लाल कॉलेज पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के मैदान में आयोजित पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज और हंसराज कॉलेज ने पुरुष वर्ग में बड़े अंतर से जीत दर्ज की। श्याम लाल

कॉलेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से मात दे कर लगातार पांचवीं जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। टीम के लिए प्रत्युष सिंह जग्गी, नंद किशोर और पंकज ने दो-दो गोल किए। मनमोहन ने एक गोल किया। पंकज को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। पुरुष वर्ग के एक अन्य मैच में हंसराज कॉलेज ने सेंट स्टीफन्स कॉलेज को 8-0 से हराया। टीम के लिए गौरव जू. ने पांच गोल किए। अभिषेक, सागर यादव और गौरव झा ने एक-एक गोल किया। गौरव जू. को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। महिला वर्ग में विवेकानंद कॉलेज ने भारती कॉलेज को 3-0 से पराजित किया। विजेता टीम की ओर से शुभम, राखी और निकिता ने गोल किए। शुभम को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

आईपीएल 2026 से पहले अक्षर पटेल ने कहा-इम्पैक्ट प्लेयर नियम पसंद नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने आईपीएल में लागू इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह नियम ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित करता है और टीमों की रणनीति को बदल देता है। आईपीएल 2026 से पहले बातचीत में अक्षर पटेल ने साफ कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस नियम के पक्ष में नहीं हैं। अक्षर पटेल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले टीम में ऑलराउंडर को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए चुना जाता था, लेकिन अब टीमें अलग-अलग बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनने लगी हैं। ऐसे में ऑलराउंडर की जरूरत कम हो जाती है। '

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि नियम का पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'नियम है तो हमें मानना पड़ेगा, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मुझे यह पसंद नहीं है। ' पिछले सीजन में अक्षर पटेल का गेंदबाजी प्रदर्शन कमजोर रहा था। उन्होंने सिर्फ 34 ओवर फेंके और 5 विकेट लिए, जो पिछले कई सालों में उनका सबसे खराब रिकॉर्ड रहा। इस पर अक्षर ने स्पष्ट किया कि इसका कारण इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं, बल्कि उनकी उंगली की चोट थी। उन्होंने बताया कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान उनकी स्पिनिंग फिंगर में कट लग गया था, जो गेंदबाजी के दौरान और गहरा हो गया। इसी वजह से वह गेंद पर सही पकड़ और स्पिन

नहीं दे पा रहे थे।

अक्षर पटेल ने खुद को 'क्राइसिस मैन' कहे जाने पर कहा कि वह टीम की जरूरत के हिसाब से किसी भी भूमिका में खेलने के लिए तैयार रहते हैं।उन्होंने कहा, 'मैं नंबर 3 से लेकर नंबर 9 तक बल्लेबाजी कर चुका हूं। टीम को जो जरूरत होती है, मैं वही रोल निभाता हूं। अगर आप अपनी पसंद के पीछे भागेंगे तो निराशा होगी, इसलिए मैं टीम को प्राथमिकता देता हूं। ' दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमांग बदानी ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अलग राय रखी। उन्होंने कहा कि क्रिकेट अब तेजी से बदल रहा है और बड़े स्कोर आम हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'अब 180 रन काफी नहीं होते, 240-250 तक के स्कोर देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में इम्पैक्ट प्लेयर से टीमों की आक्रामक सोच और मजबूत होती है। '

स्टार्क को लेकर अपडेट

कोच बदानी ने मिचेल स्टार्क को लेकर बताया कि टीम अभी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी का इंतजार कर रही है। इसके बाद ही उनके जुड़ने की स्थिति साफ होगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 1 अप्रैल को लखनऊ में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच खेलेगी।

कच्चे तेल में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमले टालने की घोषणा से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड का मार्च वायदा आठ प्रतिशत गिरकर 103.18 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अप्रैल का अमेरिकी क्रूड का वायदा भी सात प्रतिशत की अधिक फिसलकर 91 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को दी गयी समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले ईरान के परमाणु संयंत्रों पर और पांच दिन हमला न करने की घोषणा की। इससे कच्चा तेल आज आठ प्रतिशत टूट गया। पश्चिम एशिया संकट के कारण इस महीने कच्चे तेल में बड़ी तेजी देखी गयी है। गत 27 फरवरी को बाजार बंद होते समय ब्रेंट क्रूड वायदा 72 डॉलर प्रति बैरल पर था।

चावल मजबूत; गेहूं, चीनी, खाद्य तेलों में नरमी; दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत बढ़ गयी। वहीं, गेहूं, चीनी और खाद्य तेलों में गिरावट रही। दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 46 रुपये बढ़कर 3,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,806 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी 14 रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। उड़द दाल औसतन 70 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मूंग दाल में 32 रुपये की नरमी रही। मसूर दाल की कीमत 40 रुपये और तुअर दाल की 16 रुपये बढ़ गयी। चना दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज अवकाश रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.47 प्रतिशत की नरमी के साथ 65.18 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 298 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। सूरजमुखी तेल 176 रुपये और वनस्पति 83 रुपये सस्ता हुआ। मूंगफली तेल 70 रुपये और सरसों तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 47 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। वहीं, चीनी नौ रुपये सस्ती हुई।

फ्रैक्टोप्रॉप को रिदमा रियल एस्टेट फंड के लिए मिला पंजीकरण, 50 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

मुंबई। रियल एस्टेट केंद्रित फंड प्रबंधन कंपनी फ्रैक्टोप्रॉप को भारतीय प्रतिभूति एवं नियामक बोर्ड (सेबी) से रिदमा रियल एस्टेट फंड के लिए पंजीकरण प्राप्त हो गया है। फ्रैक्टोप्रॉप ने बताया कि यह फंड कैटेगरी 2 में वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) है। कंपनी ने इस फंड के लिए 50 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है जिसमें 75 करोड़ रुपये तक का ग्रीनशू (अतिरिक्त फंड का) विकल्प भी है। रिदमा रियल एस्टेट फंड मुंबई महानगरीय क्षेत्र में तेज विकास की संभावना वाले छोटे बाजारों में मध्यम आय और प्रीमियम आवासीय तथा वाणिज्यिक रियल एस्टेट परियोजनाओं में ढांचागत ऋण और इक्विटी निवेश पर फोकस करेगी। प्रत्येक परियोजना में सामान्यतः 10-12 करोड़ रुपये के निवेश की योजना है जिससे मजबूत आधारभूत तत्वों और विश्वसनीय डेवलपर साझेदारों वाली परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा। फंड के प्रोयाजक धवल ठक्कर ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में हमने रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी के ढांचागत स्रोतों की बढ़ती मांग देखी है, विशेष रूप से उच्च-विकास वाले शहरी छोटे बाजारों में परियोजनाओं के लिए। ' फ्रैक्टोप्रॉप आर.डी. ब्रदर्स समूह द्वारा प्रायोजित है, जो महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण, परियोजना विकास और परिसंपत्ति मौद्रीकरण में दो दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाला समूह है।

ज़ाइडस ने पेश किया सेमाग्लूटाइड इंजेक्शन

नई दिल्ली। लाइफ साइंसेज़ कंपनी ज़ाइडस लाइफ साइंसेज़ लि. ने मधुमेह के इंजेक्शन सेमाग्लूटाइड को - सेमाग्लिन , माशेमा और अल्टरमे, इन तीन तीन ब्रांड नाम से पेश किया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस दवा के पेटेंट से बाहर आने के बाद इसे भारत में प्रस्तुत किया गया है। कंपनी ने कहा है कि भारत के औषधि महानिदेशक (डीसीजीआई) ने पहले ही टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस और मोटापे के इलाज के लिए इस इंजेक्शन की मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग की मंजूरी दे दी थी। ज़ाइडस ने एक नया और अलग तरह का दोबारा इस्तेमाल होने वाला मल्टी-डोज़ पेन पेश किया है जो कम खर्चीला होगा। यह 15 मिलीग्राम और 3 मिलीलीटर कार्ट्रिज में उपलब्ध होगा। कंपनी इसका विनिर्माण अहमदाबाद स्थित ज़ाइडस बायोटेक पार्क में कर रही है ।

आरबीआई और नाबार्ड के प्रमुख सुरक्षा उपायों से सहकारी बैंकों का संचालन हुआ सुदृढ़: पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के प्रमुख सुरक्षा उपायों से सहकारी बैंकों का संचालन सुदृढ़ हुआ है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में यह जानकारी दी पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम और बहु-राज्य सहकारी समितियां (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 में संशोधन से निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) का नियामक और पर्यवेक्षी ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि सहकारी बैंक वित्तीय पारदर्शिता के साथ कार्य करें। वित्त राज्य मंत्री ने सदन को बताया कि इस संबंध में कई उपाय किए गए हैं, जिनमें अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित बातें शामिल हैं :- पंकज चौधरी ने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए सरकार ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम में संशोधन किया है, ताकि सहकारी बैंकों के निदेशक मंडल (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर) का कार्यकाल अधिकतम 10 वर्ष तक निर्धारित किया जा सके। इसके साथ ही बहुराज्यीय सहकारी समितियां (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 में संशोधन करके सहकारी लोकपाल की नियुक्ति का प्रावधान शामिल किया गया है, जो एमएससीएस के सदस्यों की जमा राशि, बहुराज्यीय सहकारी समिति के कामकाज के न्यायसंगत लाभों या संबंधित सदस्यों के व्यक्तिगत अधिकारों को प्रभावित करने वाले किसी अन्य मुद्दे के संबंध में शिकायतों या अपीलों से निपटता है। वहीं, संचालन और जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना की गई है, जिसे सभी बहुराज्यीय सहकारी समितियों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि आरबीआई ने सहकारी बैंकों के लिए धोखाधड़ी प्रबंधन पर मास्टर दिशा-निर्देश 2024 में जारी किए थे और इनमें धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, संचालन तंत्र, प्रारंभिक चेतावनी तंत्र का कार्यान्वयन, कर्मचारियों की जवाबदेही, तीसरे पक्ष की जिम्मेदारी का निर्धारण और बाहरी तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों की भूमिका आदि से संबंधित व्यापक दिशानिर्देश शामिल हैं। पंकज चौधरी ने कहा कि आरबीआई के त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे के तहत चिन्हित सहकारी बैंकों को अपनी वित्तीय स्थिति को बहाल करने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए समय पर उपचारात्मक उपाय शुरू करने और लागू करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि नाबार्ड ने राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार लाने और घाटे को रोकने/कम करने के लिए टर्न अराउंड प्लान (टीएपी) लागू किया है।

इंडिगो ने आलोक सिंह को मुख्य रणनीति अधिकारी किया नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के बोर्ड ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रबंध निदेशक आलोक सिंह को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त किया है। इंडिगो ने जारी एक बयान में कहा कि कंपनी ने आलोक सिंह को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त किया है। बयान के मुताबिक सिंह कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक योजना का नेतृत्व करेंगे और व्यापक स्तर पर ऐसे परिवर्तनकारी कदम उठाएंगे, जो वृद्धि तेज करने, परिचालन की दक्षता बढ़ाने और वैश्विक विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने पर केंद्रित होंगे। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) राहुल भाटिया ने कहा कि सिंह में रणनीतिक दृष्टि और परिचालन क्षमता का उत्कृष्ट मिश्रण है। उन्होंने कहा, 'उन्हें विमानन प्रणाली की व्यापक समझ है, जो हमारे लिए बेहद मूल्यवान होगी, क्योंकि हम एक अधिक मजबूत, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार संगठन बना रहे हैं। भाटिया ने बताया कि अपने अगले वृद्धि चरण को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। फिलहाल, अलोक सिंह मेरे सीधे अधीन होंगे। जैसे ही कोई नया सीईओ पद संभालेगा, वह नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे।' उल्लेखनीय है कि आलोक सिंह की ये नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे को दो सप्ताह भी नहीं हुए हैं।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पश्चिम एशिया क्षेत्र से 24 उड़ानें करेंगी संचालित

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर आज पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 24 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेंगी। हालांकि, एयर इंडिया के कई गंतव्यों के लिए सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी। एयरलाइन ने 'एक्स' पोस्ट में बताया कि एयर इंडिया समूह ने बताया कि वह मंगलवार को पश्चिमी क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 24 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेगा, जबकि कई गंतव्यों के लिए एयरलाइन की सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी। कंपनी के बयान के अनुसार एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर उड़ानें संचालित करेंगी, जिनमें जेद्दा और मस्कट के लिए निर्धारित सेवाएं, और साथ ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए अतिरिक्त गैर-निर्धारित परिचालन शामिल हैं।

एयरलाइन ने बताया कि दोनों एयरलाइंस जेद्दा के लिए और वहां से अपनी तय उड़ानें जारी रखेंगी, जिसके तहत भारत और जेद्दाह के बीच कुल 10 उड़ानें संचालित होंगी। एयर इंडिया दिल्ली से एक और मुंबई से दो वापसी उड़ानें संचालित करेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस हैदराबाद और कोझिकोड, दोनों जगहों से एक-एक उड़ान संचालित करेगी। बयान के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए और वहां से चार निर्धारित उड़ानें भी संचालित करेगी, जिसमें दिल्ली और मुंबई से सेवाएं शामिल हैं। वहीं, निर्धारित सेवाओं के अलावा एयर इंडिया समूह ने कहा कि वह यूएई के लिए और वहां से 10 गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करेगा, जो स्लॉट की उपलब्धता और प्रस्थान स्टेशनों पर मौजूदा स्थितियों पर निर्भर करेगा।

पश्चिम एशिया तनाव की आंच अमेजन तक पहुंची, बहरीन में असर; कंपनी बोली- ड्रोन से चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी दिखने लगा है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कहा है कि उसके अमेजन वेब सर्विसेज (AWS) का बहरीन रीजन मौजूदा हालात के बीच बाधित हो गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह व्यवधान इलाके में ड्रोन गतिविधियों के कारण हुआ है। यह जानकारी रॉयटर्स की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में दी गई।

कंपनी ने क्या बताया?

हालांकि, कंपनी ने नुकसान की सीमा या सेवाएं पूरी तरह बहाल होने में लगने वाले समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे यूजर्स को अन्य लोकेशंस में शिफ्ट होते रहने की सलाह दी गई है।

विज्ञापन एडब्ल्यूएस, अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट है, जो कई बड़ी वेबसाइट्स और सरकारी सेवाओं के संचालन के लिए बेहद अहम है। कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा भी इसी से आता है।

गौरतलब है कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष की शुरुआत के बाद यह दूसरी बार है जब बहरीन स्थित एडब्ल्यूएस रीजन ड्रोन हमले से प्रभावित हुआ है। इससे पहले इसी महीने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में एडब्ल्यूएस की सुविधाएं पावर आउटेज के कारण प्रभावित हुई थीं, जिन्हें बहाल करने की प्रक्रिया जारी थी। इन हमलों के दौरान आग लगने और इमरजेंसी सप्रेशन सिस्टम सक्रिय होने से पानी से भी नुकसान हुआ, जिसके चलते सेवाएं अस्थिर हुईं और कई जगह अस्थायी आउटेज देखने को मिला था। अमेजन ने उस समय चेतावनी दी थी कि भौतिक नुकसान के कारण सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने में समय लग सकता है और ग्राहकों को डेटा बैकअप लेने व वर्कलोड अन्य रीजन में शिफ्ट करने की सलाह दी गई थी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब मध्य पूर्व में संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद, तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं, जिनका निशाना अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों जैसे यूएई, सऊदी अरब और बहरीन को बनाया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर भी सीधे निशाने पर आ रहा है। एडब्ल्यूएस, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर है, लाखों एप्लिकेशन होस्ट करता है और कंपनियों व सरकारों का अहम डेटा संभालता है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,790 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से 2.53 अरब डॉलर खरीदे

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर की खरीदारी की। आरबीआई ने अमेरिकी डॉलर की यह खरीद लगातार सात महीनों की शुद्ध डॉलर बिक्री के बाद की है। केंद्रीय बैंक ने अपने मासिक बुलेटिन में जानकारी दी कि पिछली बार मई, 2025 में हाजिर मुद्रा बाजार से 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद की गई थी। आंकड़ों के अनुसार आरबीआई ने दिसंबर में 10.02 अरब, नवंबर में 9.71 अरब, अक्टूबर में 11.88 अरब, सितंबर में 7.91 अरब, अगस्त में 7.69 अरब, जुलाई में 2.54 अरब और जून में 3.66 अरब अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री की। बुलेटिन के मुताबिक सकल आधार पर केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 27.99 अरब यूएस डॉलर की खरीद और 25.473 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री की। विदेशी निवेश और भारत-अमेरिका के अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा से फरवरी के पहले सप्ताह में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ और उसके बाद लगभग स्थिर बना रहा। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण मार्च में 20 मार्च तक रुपये की विनिमय दर पर दबाव पड़ा और उसमें गिरावट आई है।

रिकॉर्ड स्तर तक लुढ़का रुपया, 94 रुपये प्रति डॉलर के करीब पहुंची भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली ।पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारतीय मुद्रा रुपये की कमजोरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज भारतीय मुद्रा ने एक बार फिर ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड बनाया। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट में हुई बढ़ोतरी, डॉलर की मजबूती और उसकी मांग हुई बढ़ोतरी तथा विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार में अंधाधुध तरीके से बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की वजह से रुपये पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी दबाव की वजह से इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 93.98 रुपये प्रति डॉलर के अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। हालांकि इसके बाद इसकी स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा 26 पैसे की कमजोरी के साथ 93.97 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 93.71 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के कारण बन रहे कमजोर ग्लोबल संकेतों, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में रिकवरी से डॉलर को मिल रहे सपोर्ट और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की कमजोरी के साथ 93.83 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी आया, जिससे ये 93.79 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली कर अपने पैसे की निकासी शुरू कर दी, जिससे मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग तेज हो गई। ऐसा होने पर रुपये की कीमत भी तेजी से लुढ़कने लगी। डॉलर की मांग में तेजी आने और रुपये पर दबाव बढ़ने के कारण भारतीय मुद्रा फिसल कर क्लोजिंग के अभी तक के सबसे निचले स्तर 93.97 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले रुपये के भाव में तेजी दर्ज की गई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 72.97 पैसे की मजबूती के साथ 124.68 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 20.86 पैसे की बढ़त के साथ 108.01 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमला तेज करने और उसके पावर सेक्टर्स को निशाना बनाने की चेतावनी देने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड क भाव में तेजी का रुख बन गया।

रिजर्व बैंक ने वीआरआर नीलामी के जरिये बैंकिंग प्रणाली में डाले 79,256 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में एकदिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' (वीआरआर) नीलामी के जरिये 79,256 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली है। आरबीआई के अनुसार यह धनराशि 5.26 फीसदी की 'कट-ऑफ' और भारित औसत दर पर डाली गई। यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। दरअसल, बैंकिंग प्रणाली में 23 मार्च तक नकदी का घाटा करीब 65,395.64 करोड़ रुपये आंका गया है। इससे पहले 20 मार्च को रिजर्व बैंक ने तीन दिन की वीआरआर नीलामी के जरिये बैंकिंग प्रणाली में 25,101 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली थी। केंद्रीय बैंक ने 17 मार्च को 7 दिन की वीआरआर नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की नकदी डाली थी। इसके अलावा, जनव 2026 से अब तक आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खुले बाजार में खरीद के माध्यम से बैंकिंग प्रणली में 3.50 लाख करोड़ रुपये की स्थायी नकदी डाली है।

बीएसई में 24 मार्च को सूचीबद्ध होगा एनएचएआई का पब्लिक इन्विट

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) का पहला सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (पब्लिक इन्विट) 24 मार्च को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध किया जाएगा। समारोह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ मंत्रालय और एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

केंद्रीय राजमार्ग एवं परिवहन मंत्रालय के अनुसार इस आईपीओ को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और यह लगभग 14 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ। इसमें विभिन्न श्रेणियों के निवेशकों ने भाग लिया। मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत सब्सक्रिप्शन भारत की विकास गाथा, वित्तीय बाजारों की मजबूती और सरकार की पारदर्शी एवं सुधारोन्मुख परिसंपत्ति मुद्रीकरण नीति में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। इस नीति का उद्देश्य पूंजी का प्रभावी पुनर्चक्रण और अवसंरचना विकास को गति देना है।

पश्चिम एशिया संकट समेत पांच कारणों से घरेलू शेयर बाजार में मचा कोहराम

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज आई गिरावट ने कारोबारियों को जोरदार झटका दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही सेंसेक्स 1,836.57 अंक गिर कर बंद हुआ। निफ्टी ने 601.85 अंक की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग के चलते इन्वेस्टर सेंटीमेंट्स पर काफी निगेटिव असर पड़ा है। इसके साथ ही इकोनॉमिक ग्रोथ और अर्निंग आउटलुक पर भी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बन गई है। इसी वजह से घरेलू शेयर बाजार भी दुनिया के दूसरे शेयर बाजार की तरह ही आज जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से बनी जियो पॉलिटिकल टेंशन की स्थिति, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी, कमजोर ग्लोबल संकेत, विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार की जा रही बिकवाली और इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स में आए उछाल की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज बुरी तरह से धराशायी हो गया। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार अमेरिका और ईरान की जवाबी हमला करने की चेतावनी देने की वजह से जियो पॉलिटिकल टेंशन अपने चरम पर पहुंच गया था। हालांकि, ईरान की ओर से जवाबी हमला करने की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर ढीले पड़ गए और उन्होंने अगले 5 दिन तक ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने का भी ऐलान किया। ट्रंप के इस ऐलान के पहले ही दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के एनर्जी और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की धमकी देने की वजह से पूरी दुनिया में डर का माहौल बन गया था, जिसकी वजह से वैश्विक स्तर पर शेयर बाजार गिरावट का शिकार हुए। इसका असर भारतीय शेयर बाजार में भी साफ-साफ नजर आया। इसी तरह पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले कुछ दिन से क्रूड ऑयल अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार 110 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है। आज ब्रेंट क्रूड 114.10 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया था। क्रूड ऑयल की अपनी कुल जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करने वाले भारत जैसे देश के लिए कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी बड़ी चुनौती बन गई है। तेल की ऊंची कीमत से महंगाई की रफ्तार में भी तेजी आने की आशंका बन गई है। इसके साथ ही व्यापार घाटा बढ़ने और रुपये के कमजोर होने की आशंका भी बन गई है। इस आशंका ने भी घरेलू शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स को काफी हद तक प्रभावित किया है। इसी तरह धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से ही विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। मार्च के महीने में किसी भी कारोबारी दिन विदेशी निवेशकों ने खरीदारी नहीं की है। प्रत्येक दिन विदेशी निवेशक बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। एक मार्च से बीस मार्च तक विदेशी निवेशक इक्विटी मार्केट में शेयरों की बिक्री कर लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार खरीदारी कर बिकवाली के दबाव को काम करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। इसके बावजूद विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली कर मार्केट सेंटीमेंट्स को काफी खराब कर दिया है।

ब्रिटेन ने ईरानी राजदूत को किया तलब, जासूसी आरोपों पर बढ़ा कूटनीतिक तनाव

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन और ईरान के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। ब्रिटेन ने ईरानी राजदूत सैयद अली मौसवी को तलब किया है। यह कदम लंदन में कथित जासूसी गतिविधियों के आरोपों के बाद उठाया गया। ब्रिटिश विदेश कार्यालय के अनुसार, एक ईरानी नागरिक और एक ब्रिटिश-ईरानी दोहरे नागरिक पर लंदन के यहूदी समुदाय की निगरानी (सर्विलांस) करने का आरोप है। इन दोनों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत विदेशी खुफिया एजेंसी की मदद करने के संदेह में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की गृह सचिव इवेट कूपर के निर्देश पर की गई। ईरानी राजदूत की मुलाकात मिडिल ईस्ट मामलों के मंत्री हामिश फाल्कनर से कराई गई, जहां इस मुद्दे पर ब्रिटेन की कड़ी आपत्ति दर्ज कराई गई। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ईरान या उसके सहयोगियों से जुड़े किसी भी खतरे को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। ब्रिटेन ने ईरान पर 'लापरवाह और अस्थिर करने वाली गतिविधियों' में शामिल होने का आरोप लगाया है, जो न केवल ब्रिटेन बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का विषय है।

ईरान युद्ध रोकने के लिए तुर्किए की कूटनीतिक पहल तेज, 48 घंटे में कई देशों से संपर्क

अंकारा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के तहत तुर्किए ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। देश के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने पिछले 48 घंटों में एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय नेताओं और अधिकारियों से बातचीत की है। सूत्रों के मुताबिक, फिदान ने ईरान और मिस्र के विदेश मंत्रियों के अलावा अमेरिका और यूरोपीय संघ के अधिकारियों से अलग-अलग बातचीत की। इन चर्चाओं में युद्ध रोकने के संभावित उपायों पर विचार किया गया। इसके अलावा, उन्होंने कतर, सऊदी अरब और पाकिस्तान के नेताओं से भी संपर्क साधा, जहां युद्ध समाप्त करने के प्रयासों की समीक्षा की गई। भी कूटनीतिक प्रयास जारी रहे, जिसमें नॉर्वे और मिस्र के नेताओं के साथ बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार, इन वार्ताओं का मुख्य फोकस तनाव कम करने और संघर्ष को समाप्त करने के उपायों पर रहा। जानकारों का कहना है कि तुर्किए और मिस्र दोनों ही पक्षों के बीच संदेश पहुंचाने का काम कर रहे हैं। यह पहल खासतौर पर ऊर्जा ढांचे और बिजली संयंत्रों पर बढ़ते हमलों के बीच तनाव कम करने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है।

ईरान और मध्य पूर्व पर अमेरिका की कूटनीति तेज, भारत, कनाडा और केन्या से बातचीत की

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत, कनाडा और केन्या के अपने समकक्ष नेताओं से बातचीत की। इन बातचीतों में ईरान, मध्य पूर्व की स्थिति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी। रुबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो से बात की। इस दौरान अमेरिका ईरान और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर अपने सहयोगी देशों से लगातार संपर्क बढ़ा रहा है। भारत के साथ हुई बातचीत में मध्य पूर्व की बदलती स्थिति पर चर्चा हुई। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि दोनों नेताओं ने इस क्षेत्र की मौजूदा परिस्थितियों पर विचार किया और आपसी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम जारी रखने पर सहमति जताई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। भारत और अमेरिका दोनों ने साझा रणनीतिक हितों पर मिलकर काम करने के संकेत दिए हैं। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बातचीत में खास तौर पर ईरान और उसके परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की कार्रवाई पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर बात की।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं।

ईरान से समझौता मध्य पूर्व में ला सकता है स्थिरता, असफलता पर जारी रहेगा हमला : ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ चल रही बातचीत मध्य पूर्व में दीर्घकालिक स्थिरता ला सकती है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और लाखों प्रवासियों का घर भी है। फ्लोरिडा में ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बहुत मजबूत बातचीत हुई है और वे एक संभावित समझौते के करीब हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा में लगभग सभी सहमति बिंदुओं को शार्म?ल क?िया गया है। यह जल्द ही एक समझौते की दिशा में बढ़ सकती है। ट्रंप ने कहा कि दोनों पक्ष पांच दिन की अवधि के भीतर प्रगति का आकलन कर रहे हैं।

साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत विफल रही तो सैन्य कार्रवाई जारी रह सकती है। अगर सब ठीक रहा तो हम इसे सुलझा लेंगे, नहीं तो हम बमबारी जारी रखेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में दोहराया कि हम कभी भी उनके पास परमाणु हथियार नहीं होने देंगे। उन्होंने

नो एनरिचमेंट (यूरेनियम संवर्धन नहीं) और क्षेत्रीय शांति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम मध्य पूर्व में शांति देखना चाहते हैं, और यह समझौता इजरायल और सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे देशों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने संकेत दिया कि बातचीत का यह दौर ईरान ने ही शुरू किया। उन्होंने फोन किया, मैंने नहीं किया। वे समझौता करना चाहते हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम पर नियंत्रण ले सकता है। अगर हमारे साथ समझौता होता है तो हम जाएंगे और उसे अपने नियंत्रण में लेंगे।

उन्होंने ईरान की स्थिति पर बात करते हुए कहा कि संघर्ष के पहले चरणों में कई नेतृत्व समूह खत्म हो चुके हैं। हमने कई नेतृत्व समूहों को खत्म कर दिया है, जो लोग बचे हैं वे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। ट्रंप ने परिणाम को लेकर अनिश्चितता भी जताई और कहा कि मैं कुछ भी गारंटी नहीं दे रहा। मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि हम एक समझौते की वास्तविक संभावना के दौर में हैं। उन्होंने तेल बाजारों पर बोलते हुए कहा कि समझौते का वैश्विक असर तुरंत दिख सकता है। जैसे ही समझौता होगा, तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। ट्रंप ने घरेलू मुद्दों पर भी बात की, जिसमें अमेरिकी हवाई अड्डों पर इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) एजेंटों की तैनाती शामिल है। उन्होंने संघीय शटडाउन और आव्रजन नीतियों के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यह सब डेमोक्रेट्स की वजह से हुआ है। ट्रंप ने आईसीई की सराहना करते हुए उनको उच्च स्तर के लोग बताया और कहा कि वे अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने ईरान के परमाणु ठिकानों पर पहले किए गए हमलों का बचाव किया और कहा कि इससे उसके परमाणु कार्यक्रम को काफी पीछे धकेल दिया गया है। अगर हमने हमला नहीं किया होता तो उनके पास दो हफ्तों से एक महीने के भीतर परमाणु हथियार होता।

तेहरान को वाशिंगटन से मिला संदेश, ट्रंप समझौते को तैयारः ईरानी अधिकारी

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। पिछले माह 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के बीच तेहरान को मध्यस्थों के जरिए वाशिंगटन से संदेश मिला है। यह संदेश अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावित शुरुआत हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि दोनों देशों के बीच समझौता संभव है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारी ने कहा, हमें मध्यस्थों के मार्फत अमेरिका से कुछ सार्थक मिले हैं। हम उनकी समीक्षा कर रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है। उन्होंने इसके बाद पत्रकारों से कहा कि दोनों पक्षों के बीच लगभग 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वे शांति चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सप्ताहांत में ईरान को दी गई धमकी भी वापस ले ली। उन्होंने कहा था कि 48 घंटे के अंदर अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता तो उसके बिजली

संयंत्रों पर हमला किया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने शुरू में इस बात से इनकार किया था कि दोनों देशों के बीच कोई बातचीत चल रही है। अब ट्रंप के बयानों से यह उम्मीद जगी कि सैन्य संघर्ष अब खत्म होने के करीब हो सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और अमेरिका के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। बावजूद इसके ऐतिहासिक रूप से वे एक-दूसरे से अप्रत्यक्ष रूप से ही बातचीत कर रहे हैं।

ईरान युद्ध पर घिरे ट्रंप, यूएस डेमोक्रेट्स ने उठाए सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। शीर्ष डेमोक्रेट नेताओं ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बनाते हुए युद्ध की बढ़ती लागत, स्पष्ट रणनीति की कमी और संघर्ष के लंबे खिंचने के खतरे को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने कहा कि इस युद्ध का कोई स्पष्ट लक्ष्य या रणनीति नहीं है। उन्होंने सीनेट में कहा, 'ट्रंप का ईरान के साथ युद्ध चौथे हफ्ते में है और इसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा।' चक शूमर ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति आगे की योजना को लेकर साफ जवाब देने में विफल रहे हैं। चक शूमर ने व्हाइट हाउस के बयानों को भी विरोधाभासी बताया। उन्होंने कहा, 'यह क्या हो रहा है? यह कमांडर-इन-चीफ की लीडरशिप नहीं है। या तो वह भ्रमित हैं, या सच नहीं बोल रहे, या दोनों एक साथ हैं।' उन्होंने इस युद्ध को अमेरिका में बढ़ती पेट्रोल कीमतों से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि एक महीने पहले गैस की औसत कीमत करीब 2.93 डॉलर प्रति गैलन थी, जो अब बढ़कर 3.94 डॉलर हो गई है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद देखी गई सबसे बड़ी मासिक उछालों में से एक है। चक शूमर ने सीनेट में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हुए रिपब्लिकन नेताओं से हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'हमें जवाबदेही चाहिए, पारदर्शिता चाहिए, और सबसे जरूरी एक स्पष्ट रणनीति और अंत का रास्ता भी चाहिए।' इसी तरह, सीनेटर ग्रेग लैंड्समैन ने कहा, 'अब समय आ गया है कि ईरान में अभियान समाप्त किया जाए। न इसका विस्तार हो और न ही जमीनी सैनिक भेजे जाएं।'

ग्रेग लैंड्समैन के मुताबिक, अमेरिकी बलों ने ईरान की मिसाइल और ड्रोन लॉन्च क्षमता को लगभग पूरी तरह नष्ट कर दिया है और हथियारों के ढांचे को निशाना बनाने का उद्देश्य पूरा हो चुका है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अब और गहराई से शामिल होना अमेरिका को बिना रणनीति वाले लंबे युद्ध में फंसा सकता है। सीनेटर पीटर वेल्च ने भी सरकार के रुख की आलोचना की और युद्ध के लिए मांगे गए 200 अरब डॉलर के फंड का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'हमारा देश इस पीढ़ी के सबसे बड़े युद्ध में गहराई तक उतर चुका है, लेकिन अब तक सीनेट में एक भी सुनवाई नहीं हुई है।' पीटर वेल्च ने इसके आर्थिक असर पर भी चिंता जताते हुए कहा कि पूरे देश में पेट्रोल की कीमतें कम से कम 1 डॉलर बढ़ गई हैं, जिससे एक आम अमेरिकी परिवार को सालाना करीब 2,000 डॉलर अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि उर्वरक और हीटिंग ऑयल की कीमतें भी तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे परिवारों पर अतिरिक्त 1,000 डॉलर का बोझ पड़ सकता है। वहीं, सीनेटर सारा जैकब्स ने इस पूरे मामले को अमेरिकी विदेश नीति की बड़ी गलती बताया।

बांग्लादेश में पूर्व सैन्य अधिकारी मसूद उद्दीन चौधरी गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में पूर्व सैन्य अधिकारी और फेनी-3 के पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मसूद उद्दीन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी आज सुबह बारीधारा इलाके से पुलिस ने की। वे सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के दौरान एक प्रमुख हस्ती थे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की।

द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लाम ने बताया कि उन पर कम से कम चार मामलों में आरोप थे। उन्हें बारीधारा डीओएचएस स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। बताया गया है कि 11 जनवरी, 2007 को जब पूरे देश में आपातकाल घोषित किया गया था तब मसूद सावर में 9 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) थे।

उन्हें 'गंभीर अपराधों और

भ्रष्टाचार पर राष्ट्रीय समन्वय समिति' का मुख्य समन्वयक बनाया गया था। इसके कुछ ही समय बाद, 02 जून, 2008 को उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया और 'नेशनल डिफेंस कॉलेज' में नियुक्त किया गया। एक सप्ताह से भी कम समय में उन्हें विदेश मंत्रालय में भेज दिया गया और 08 जून, 2008 को कैनबरा स्थित बांग्लादेश उच्चायोग में नियुक्त किया गया। उन्होंने राजनीति की शुरुआत जातीय पार्टी से की। उन पर एक हत्या के मामले में वारंट था और भ्रष्टाचार व अवैध संपत्ति बनाने के आरोप भी हैं। हाल ही में सीआईडी ने उनके खिलाफ लगभग 100 करोड़ टका की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

एजेंसी

वॉशिंगटन। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा।

सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने

खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया।

इस बीच ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं।विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान ने ईरान से बातचीत में शांति की अपील की, पीएम शहबाज शरीफ बोले- तनाव घटाना जरूरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। शहबाज शरीफ ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए समाधान निकालने की तत्काल आवश्यकता पर सहमति जताई। दोनों नेताओं के बीच पिछले एक महीने में कई बार बातचीत हो चुकी है। इनमें रमजान और ईद की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ अमेरिका और इजराइल के साथ जारी संघर्ष को खत्म करने पर भी चर्चा शामिल रही। शरीफ ने ईरानी जनता के साथ एकजुटता जताते हुए हालिया घटनाओं में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए 'रचनात्मक भूमिका' निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने मुस्लिम देशों के बीच एकता बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया। इस तरह की बातचीत मौजूदा संकट को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की दिशा में अहम कदम हो सकती है, खासकर तब जब क्षेत्र में संघर्ष लगातार गहराता जा रहा है।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी।

नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता

है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो।

जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

मिकेलबर्ग ने मंगलवार को कहा, 'हम 16 साल से कम उम्र वालों पर इन डिवाइस के इस्तेमाल पर रोक लगा रहे हैं, क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे ज़्यादा ज़रूरी है।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नए कानूनों के तहत फुटपाथों पर ई-मोबिलिटी डिवाइस के लिए 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा भी तय की जाएगी। साथ ही, पुलिस को अवैध डिवाइस ज़ब्त करने और नष्ट करने के अतिरिक्त अधिकार दिए जाएंगे, और वे चालकों का अचानक 'ब्रीथ टेस्ट' (सांस की जांच) भी कर सकेंगे। पिछले साल, ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला प्रतिबंध लागू हुआ था। इसके तहत फेसबुक, यूट्यूब, टिकटॉक और एक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स को ऐसे बच्चों के अकाउंट बनाने से रोकना होगा।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह कदम उन बच्चों की मदद के लिए उठाया गया है, जो एल्गोरिदम, लगातार चलने वाली सोशल मीडिया फीड और उसके दबाव के बीच बड़े हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि वे छुट्टियों का सही उपयोग करें और पूरा समय मोबाइल पर न बिताएं।

ऑस्ट्रेलिया के इस फैसले में दुनिया के कई देशों की दिलचस्पी देखी गई है। डेनमार्क, मलेशिया, ब्राजील, इंडोनेशिया और न्यूजीलैंड जैसे देश भी ऐसे कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं।

पेंटागन में अखबारों और चैनलों के कार्यालय होंगे बंद, अमेरिकी रक्षा विभाग का फैसला

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में स्थित अखबारों और चैनलों (मीडिया) के कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया गया है । इसे पेंटागन प्रेस ऑपरेशंस (पीपीओ) के नाम से जाना जाता रहा है। रक्षा विभाग ने पेंटागन इमारत के अंदर स्थित मीडिया कार्यालयों को हटाने के साथ पत्रकारों के लिए नई क्रेडेंशियल नीति लागू करने की घोषणा की है। पेंटागन ने यह फैसला एक फेडरल जज के एक मुकदमे में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' का पक्ष में फैसला आने के बाद लिया। इस मुकदमे में रिपोर्टरों के बिल्डिंग में आने-जाने पर लगाई गई पाबंदियों को चुनौती दी गई थी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा विभाग के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि पेंटागन का एक इलाका जिसे कॉरेस्पोंडेंट्स कॉरिडोर के नाम से जाना जाता है। इसका इस्तेमाल रिपोर्टर दशकों से अमेरिकी सेना की खबरें कवर करने के लिए करते आ रहे हैं, उसे तुरंत बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार बाद में बिल्डिंग के बाहर बने एक एनेक्स (अतिरिक्त भवन) से काम कर पाएंगे। यह भवन तैयार होने पर उपलब्ध होगा। उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि इसमें कितना समय लगेगा।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फैसला जज के आदेश का उल्लंघन है और असंवैधानिक है। टाइम्स के प्रवक्ता चार्ली स्टैडलैंडर ने कहा, हम दोबारा अदालत जाएंगे। पेंटागन प्रेस एसोसिएशन ने इस नीति को पिछले हफ्ते आए फैसले की भावना का साफ उल्लंघन बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, पत्रकारों को अभी भी प्रेस कॉन्फ्रेंस और साक्षात्कारों के लिए पेंटागन के अंदर जाने की अनुमति होगी, लेकिन अब उन्हें एस्कॉर्ट (सुरक्षा घेरे) के साथ जाना पड़ सकता है।द न्यूयॉर्क टाइम्स ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध और वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी ऑपरेशन का जिक्र करते एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि ऐसे नाजुक समय में हम यह सवाल पूछते हैं कि पेंटागन प्रेस की उस जरूरी आजादी पर पाबंदी क्यों लगा रहा है, जो सभी अमेरिकियों को जानकारी देने में मदद करती हैं? यह नई नीति राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के दौरान प्रेस की पहुंच को लेकर चल रहे विवादों की ताजा कड़ी है। इस प्रशासन ने पारंपरिक मीडिया पर पाबंदियां लगाई हैं, जबकि रूढ़िवादी मीडिया संस्थानों को बढ़ावा दिया है।

ओमान में अमेरिकी दूतावास की एडवाइजरी– 'घर में सुरक्षित रहें', बढ़ते तनाव के बीच चेतावनी

एजेंसी

मस्कट। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी दूतावास ने ओमान में 'शेल्टर इन प्लेस' यानी जहां हैं वहीं सुरक्षित रहने की एडवाइजरी जारी की है। यह चेतावनी पूरे देश के लिए दी गई है, हालांकि 'चल रही गतिविधियों' के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। दूतावास ने अपने सुरक्षा अलर्ट में नागरिकों से कहा है कि वे अपने घर या किसी सुरक्षित इमारत में रहें और अनावश्यक बाहर न निकलें। साथ ही, भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान का पर्याप्त भंडार रखने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि अगर किसी तरह का हमला होता है तो लोग मलबे या क्षतिग्रस्त स्थानों से दूर रहें और आधिकारिक सूचनाओं के लिए विश्वसनीय समाचार माध्यमों पर नजर बनाए रखें। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने ओमान से गैर-जरूरी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने के निर्देश दिए थे। यह कदम ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल संघर्ष शुरू होने के कुछ दिनों बाद उठाया गया था। यह चेतावनी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता और संभावित खतरों को देखते हुए जारी की गई है। इससे साफ है कि मौजूदा हालात में सुरक्षा एजेंसियां किसी भी अप्रत्याशित स्थिति के लिए सतर्क हैं।

कोलंबिया: सेना के विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 66 हुई

एजेंसी

बोगोटा। दक्षिणी कोलंबिया के पुटुमायो क्षेत्र में कोलंबियाई सैन्य विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है, जबकि 57 अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने सैन्य सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, कोलंबियाई एयरोस्पेस फोर्स (एफएएसी) के कमांडर कार्लोस सिल्वा ने एफएसी द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि सी-130 हरक्यूलिस परिवहन विमान में 114 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच दल भेजा गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर फर्नांडो सिल्वा ने कहा कि विमान में 114 सैनिक और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे, अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने बताया कि प्यूर्टो लेगुइज़ामो से उड़ान भरते समय एक परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेना घटनास्थल पर मौजूद हैं और दुर्घटना के कारणों का अभी तक पता

नहीं चल पाया है। सांचेज ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सभी आवश्यक उपाय सक्रिय कर दिए गए हैं। कुछ घायल सैनिकों को इलाज के लिए राजधानी बोगोटा ले जाया गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि विमान में सवार 40 से अधिक लोगों की स्थिति की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना होनी ही नहीं चाहिए थी। उन्होंने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की कमी पर खेद व्यक्त किया, जिसका कारण उन्होंने 'नौकरशाही संबंधी कठिनाइयों' को बताया। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर विमान में सवार लोगों की जान बचाने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया।

कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने पहले एक्स पर बताया था कि यह दुर्घटना तब हुई जब लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित हरक्यूलिस सी-130 विमान पेरू की सीमा पर स्थित पुएर्टो लेगुइज़ामो से उड़ान भर रहा था। उड़ान डेटा से पता चलता है कि विमान एक सी-130एच हरक्यूलिस था, जो सी-130 सीरीज का एक पुराना मॉडल है। निर्माता लॉकहीड मार्टिन के अनुसार, मार्च 1965 में पहली बार सेवा में आया था। इस विमान को सितंबर 2020 में अमेरिकी वायु सेना द्वारा कोलंबियाई वायु सेना को दान में दिया गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए फुटेज में सैनिकों को ले जाने वाला विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद तेजी से नीचे गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थानीय स्रोत ब्लू रेडियो के अतिरिक्त मीडिया में दुर्घटना के बाद मलबे से भारी धुआं उठता हुआ दिखाया गया है। हालांकि एचटी ने इन दृश्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। ब्लू रेडियो ने बताया कि दुर्घटना आबादी वाले क्षेत्र से केवल 3 किमी दूर हुई।

स्थानीय समाचार

जीडीसी मढ़हीन में वंदे मातरम् विशेष चरण के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ, 24 मार्च (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज मढ़हीन में वंदे मातरम् विशेष चरण के तहत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति की भावना जागृत करना, रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक व भावनात्मक महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) अनुपमा गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने छात्रों के उत्साह की सराहना करते हुए देश की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को याद रखने पर जोर दिया।

प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक व विचारोत्तेजक पोस्टरों के माध्यम से देश के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। प्रतियोगिता में मन्नत ने प्रथम, पायल ने द्वितीय तथा नैन्सी ने तृतीय स्थान हासिल किया।कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के एचओडी प्रो. मनु सैनी द्वारा किया गया, जबकि निर्णायक मंडल में डॉ. अरुण देव सिंह, डॉ. बलबिंदर सिंह और प्रो. अनूप शर्मा शामिल रहे।

कठुआ-बिलावर में अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई, 7 वाहन जब्त

कठुआ, 24 मार्च (हि.स.)। कठुआ पुजिस ने अवैध खनन के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए कठुआ और बिलावर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 वाहनों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत 2 डंपर और 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं, जो बिना वैध अनुमति के निर्माण सामग्री (रेत आदि) की ढुलाई में संलिप्त थीं। पहली कार्रवाई में नागरी क्षेत्र में पुलिस टीम ने दो डंपर जेके08पी-4431 और जेके08आर-9950 को जब्त किया। वहीं दूसरी कार्रवाई में बिलावर क्षेत्र में पुलिस ने 5 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ीं, जिनमें निर्माण सामग्री बिना परमिट के लदी हुई थी। सभी 7 वाहनों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भू-विज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।

विश्व टीबी दिवस पर कठुआ में जागरूकता अभियान शुरू, 89 पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

कठुआ, 24 मार्च (हि.स.)। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर जिला टीबी अस्पताल कठुआ में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर उपायुक्त ने अस्पताल की विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों के उपचार के लिए सरकार द्वारा पूरी तरह मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और घर-घर तक पहुंचाई

जा रही हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि टीबी मरीजों के प्रति सहयोग और समर्थन का भाव रखें। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में उन्नत एक्स-रे सुविधा भी जनता को समर्पित की गई। जिला क्षय रोग अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले की 89 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है, जो स्वास्थ्य विभाग और निक्षय मित्रों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को टीबी मुक्त शपथ भी दिलाई और टीबी मुक्त पंचायतों में योगदान देने वाले एमएलएचपी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पुलिस ने भारत दर्शन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

पुंछ , 24 मार्च (हि.स.)। पुंछ जिला पुलिस ने आज एक समारोह में भारत दर्शन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस समारोह का उद्देश्य प्रतिभागियों में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक अनुभव और जागरूकता को बढ़ावा देना है। यात्रा को पुंछ के अतिरिक्त एसपी मोहन लाल शर्मा (जेकेपीएस) ने पुंछ मुख्यालय के डीएसपी नीरज शर्मा, पुंछ के डीएसपी डीएआर शशिकांत रैना और पुंछ जिला पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखाने के समारोह के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और विविध परंपराओं के बारे में जानकर इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनर्जी, फिटनेस और इम्युनिटी बढ़ाएगा 'न्यूट्रिका बी हनी'

जम्मू, मार्च, 2026। शहद खरीदते वक्त लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि यह असली है या नकली, कारण कि असली और नकली की पहचान करना काफी मुश्किल होता है। बाजार में इतने विकल्प हैं कि भरोसा करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है और यहीं से सही और शुद्ध शहद की जरूरत और भी बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अनुभव अग्रवाल द्वारा स्थापित बीएन एग्रीटेक के लाइफस्टाइल और वेलनेस ब्रांड न्यूट्रिका ने शहद सेगमेंट में कदम रखते हुए, न्यूट्रिका बी हनी लॉन्च किया है। यह रेंज खास तौर पर एनर्जी, फिटनेस और इम्युनिटी पर फोकस करती है और अभी दिल्ली एनसीआर व मुंबई में उपलब्ध है।

न्यूट्रिका के डायरेक्टर और बिजनेस हेड स्पर्श सचर ने कहा कि यह सिर्फ एक नया प्रोडक्ट नहीं, बल्कि लोगों को भरोसेमंद और हेल्दी विकल्प देने की कोशिश है। न्यूट्रिका ने शहद को तीन अलग-अलग वैरिएंट्स में पेश किया है। प्रो-एनर्जी मल्टीफ्लोरा हनी, जो दिनभर एनर्जी बनाए रखने में

मदद करता है; प्रो-फिटनेस लेमन हनी, जो पाचन और वजन मैनेजमेंट के लिए उपयोगी है; और प्रो-इम्युनिटी तुलसी हनी, जो इम्युनिटी बढ़ाने और सर्दी-खाँसी में राहत देने में सहायक है। कंपनी के अनुसार इन सभी वैरिएंट्स में न कोई आर्टिफिशियल प्रिज़र्वेटिव है और न ही अतिरिक्त चीनी मिलाई गई है। इन्हें प्राकृतिक स्रोतों से तैयार किया गया है और हर स्तर पर गुणवत्ता की जाँच की गई है।

इस लॉन्च के साथ न्यूट्रिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अब रोजमर्रा के खाने में भी सेहतमंद और भरोसेमंद विकल्प देने पर जोर दे रहा है।

जेकेपीसीसी किसान विभाग ने रामबन में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रभाव पर महत्वपूर्ण बैठक की

रामबन, 24 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के किसान समुदाय पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संभावित प्रभाव पर विचार-विमर्श करने के लिए जम्मू-कश्मीर पीसीसी किसान विभाग के अध्यक्ष भरत प्रिये ने आज रामबन स्थित डाक बंगले में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में स्थानीय नेताओं, कृषि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

व्यापार जगत के बदलते स्वरूप को लेकर हितधारकों और किसानों की व्यापक चिंता और रुचि को दर्शाते हुए यह बैठक आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए भरत प्रिये ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों विशेष रूप से कृषि उत्पादों से संबंधित समझौतों का स्थानीय किसानों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों से उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों का सावधानीपूर्वक आकलन करने की आवश्यकता पर बल दिया, खासकर जम्मू-कश्मीर की अनूठी कृषि-जलवायु परिस्थितियों और मुख्य रूप से लघु कृषि पद्धतियों के संदर्भ में।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अनियंत्रित आयात नीतियां किसानों को विकसित देशों के सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों से अनुचित प्रतिस्पर्धा में डालकर स्थानीय उपज को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उचित नीतिगत सुरक्षा उपायों के साथ इस क्षेत्र की विशिष्ट और उच्च मूल्य वाली फसलों के निर्यात के अवसरों का विस्तार करने की भी संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर मंत्री जावेद राणा ने वन संरक्षण पर दिया जोर

जम्मू., 24 मार्च (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर जम्मू के नरवाल स्थित एफआरएमसी भवन में आयोजित कार्यक्रम में वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में वन संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वन जीवन को बनाए रखने, जैव विविधता की रक्षा और भविष्य को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में लगभग 20,194 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन फैले हुए हैं, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का करीब 48 प्रतिशत है। मंत्री ने 'ग्रीन जेएंडके ड्राइव' के तहत इस वित्तीय वर्ष में 78 लाख से अधिक पौधे लगाने और अगले वर्ष एक करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित करने की जानकारी दी। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक अनुसंधान और सतत विकास के माध्यम से वन संरक्षण को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। साथ ही इको-टूरिज्म, ट्रेकिंग रूट और वन बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए रोजगार सृजन पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन कर्मियों को सम्मानित किया गया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं की सराहना की गई।

अप्रैल माह के मुख्य कृषि कार्य

रबी फसलों की कटाई-मड़ाई

रबी की बहुत सारी फसलों जैसे सरसों, चना, मटर, मसूर आदि की कटाई-मड़ाई का कार्य लगे हाथ पूरा कर लें। इस माह रबी की मुख्य फसल गेहूं के साथ ही जौ की कटाई-मड़ाई एवं भंडारण का कार्य भी पूरा करना होगा। कटाई के समय दानों में 18-20 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। कटाई के बाद फसल को 4-6 दिन खलिहान में सुखाकर मड़ाई करें। मड़ाई के बाद दानों को भलीभाँति सुखा लें।

रबी उपज का भंडारण

ध्यान रहे भंडारण के समय दानों में 10-12 प्रतिशत से अधिक नमी न हो। भंडारण की जगह के मकड़ी के जाले आदि की साफ-सफाई करके कीटों से बचाव के लिए मैलाथिओन दवा का घोल बनाकर गोदाम की दीवालों एवं फर्श पर छिडकाव कर गोदाम को एक सप्ताह के लिए बंद कर दें। दाने को जीआई शीट से बनी टंकियों या भूसा के अंदर साफ बोरों में दानों को भरकर भंडारण करें। भंडार-गृह पूरी तरह एयरटाइट हो ताकि भंडार-गृह हवा व नमी से मुक्त रहे।

फ़सलोत्पादन

रबी फसलों से खाली हुए खेतों में जायद की बहुत सारी फसलें जैसे मूंग, उर्द, सूरजमुखी,गन्ना, चारे की फसलें, सब्जी वाली फसलें जैसे लौकी, कद्दू, तोरई, करेला, भिण्डी, खरबूज, तरबूज, पत्तीवाली सब्जियां जैसे पालक, चौलाई, धनिया आदि की बुआई भी इसी माह की जानी है। खेतों में उचित नमी के लिए पलेवा करने के साथ ही साथ उत्तम बीज और आवश्यक उर्वरकों का तत्काल इंतजाम कर ओट आते ही उचित नमी की दशा में अच्छी तरह खेत की तैयारी कर ससमय सही ढंग से बुआई का कार्य पूरा कर लें।

ग्रीष्मकालीन मूंग

ग्रीष्मकालीन मूंग को एक बोनस फसल कहा जा सकता है।

धान - गेहूं फसल चक्र में गेहूं की कटाई के बाद मूंग की फसल लेने से न केवल मूंग की उपज मिलती है, वल्कि मिट्टी की उर्वराशक्ति में भी वृद्धि हो जाती है। परिणामस्वरूप गामी फसल में 12 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से नाइट्रोजन की भी कटौती की जा सकती है। वांछित उपज के लिए मूंग की बुआई इस माह के प्रथम सप्ताह तक अवश्य पूरा कर लें।

यदि भूमि में नमी की कमी का आभास हो तो एक हल्की सिंचाई अवश्य कर दें। बीज दर 8-10 किलोग्राम प्रति एकड़, पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 से मी; पौधे से पौधे की दूरी 10 से मी; उन्नत प्रजातियाँ- मेहा, पूसा सम्राट, पूसा विशाल, पूसा 9531, पंत मूंग 2, नरेंद्र मूंग 1, मालवीय ज्योति, मेहा, मालवीयजागृती आदि।

बीजोपचार - की दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से, इसके बाद राइजोबियम कल्चर का उपचार,

उर्वरक - 8 किलोग्राम नाइट्रोजन, 16 किलोग्राम फास्फोरस व 8 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़। यदि गंधक और ज़िंक की कमी हो तो 16 किलोग्राम सल्फर बेंटोनाइट और ज़िंक की कमी के लिए 6-8 किलोग्राम ज़िंक सल्फेट प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।

सूरजमुखी

गेहूं काटने के बाद अप्रेल में सूरजमुखी की बुआई भी कर सकते हैं।

बीज की मात्रा 4 किलोग्राम प्रति एकड़, लाईन से लाईन की दूरी 60 से मी, पौधे से पौधे की दूरी 20 से मी।

गन्ना

रबी के खाली खेतों में गन्ने की बुआई इस माह पूरी कर लें। गन्ने की फसल के साथ लोबिया व मूंग की बुआई अन्त: फसल के रूप में की जा सकती है। गन्ने की दो लाइनों के बीच एक लाइन लोबिया या मूंग की बोई जाती है। इससे मूंग की उपज के साथ ही प्रति एकड़ 12-16 किलोग्राम नाइट्रोजन की बचत हो जाती है। अन्त: फसल की आय से गन्ने की फसल के खर्च में मदद मिल जाती है। महिलाओं और बच्चों के लिए रोजगार के भी अवसर मिल जाते है।

बुआई के लिए 3 आँख वाले टुकड़े ज्यादा उपयुक्त रहते हैं। एक एकड़ के लिए 15000-16000 टुकड़े लगते हैं। बीजोपचार करना न भूलें। बीजोपचार के लिए दवा का 0.2 प्रतिशत का घोल बनाकर 15 मिनट तक बीज को उपचारित करें। इससे सभी बीमारियों को रोका जा सकता है। एक एकड़ के लिए 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 24 किलोग्राम फास्फोरस व 24 किलोग्राम पोटास की संस्तुति की जाती है। अच्छा हो कि उर्वरक प्रयोग मिट्टी की जांच के आधार पर किया जाय। यदि गंधक और ज़िंक की कमी हो तो क्रमश: 16 किलोग्राम सल्फर बेंटोनाइट और 5 किलोग्राम ज़िंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट प्रति एकड़ की दर से

प्रयोग करें।

बरसींम से बीज उत्पादन

यदि बरसीम से बीज तैयार करना हो तो कटाई रोक देनी चाहिए। फूल आ जाने पर सिंचाई नहीं करनी चाहिए। इसके बाद जरूरत हो तो एक सिंचाई कर देनी चाहिए। मई तक फसल पक कर तैयार हो जाएगी।

चारा उत्पादन

चारे के लिए बहू कटाई वाली किस्में जैसे मीठी सूडान, एमपी चरी, पूसा चरी 23, जवाहर चरी की बुआई करें। इनसे प्रति एकड़ 240-250 कुंतल हरे चारे की उपज मिल जाती है। इनके अलावाँ इस माह चारे के लिए ज्वार, लोबिया, मक्का आदि की बुआई की जाती है। ज्वार और मकके के साथ लोबिया और ग्वार की मिलवान फसल लेने से चारे की पौष्टिकता बढ़ जाती है।

सब्जी उत्पादन

इस माह कद्दूवर्गीय फसलें जैसे कद्दू, लौकी, तोरई, खीरा, ककड़ी, खरबूज, तरबूज के साथ ही करेला, भिण्डी, चौलाई, पालक आदि की बुआई की जाती है। बीजों को कार्बेन्डान्जिम नामक दवा से 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से या ट्राइकोडेरमा 4 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर बुआई करें।

उर्वरकों के साथ कम्पोस्ट या पशुशाले की खाद का प्रयोग अवश्य करें। कद्दूवर्गीय फसलों में प्रति एकड़ 16-24 किग्रा नाइट्रोजन,16-24 किग्रा फास्फोरस व 12 -24 किग्रा पोटास की संस्तुति की जाती है। संकर क़िस्मों के लिए यह मात्रा दो गुनी कर देनी चाहिए। अच्छा हो कि उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी की जांच के आधार पर किया जाय ताकि गौण व सूक्ष्म पोशक तत्वों की आवश्यक मात्रा बुआई के समय ही दी जा सके। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और फास्फोरस व पोटास की पूरी मात्रा बुआई के समय और नाइट्रोजन की शेष मात्रा खड़ी फसल में दो बार में टापड्रेसिंग के रूप में देना चाहिए। लौकी व कद्दू की बुआई के लिए लाइन से लाइन की दूरी 2 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 1 मी, तोरई के लिए लाइन की दूरी 1 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 50 से मी, करेले के लिए लाइन की दूरी 15 मी एवं पौधे से पौधे की दूरी 60 से मी रखनी चाहिए।

उद्यानिकी

आम

जब तक पौधा फलन में नही आता तब तक पौधे के उचित बढ़वार एवं विकास के लिए गर्मी में 10 दिनों के अंतराल पर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। फल मक्खी के वयस्कर कीटों को फंसाने के लिए ट्रैप का इस्तेमाल करें। ट्रैप के लिए गुड़ का शीरा या ताड़ी में 0.2 प्रतिशत कार्बोरिल मिलाकर खुलेडिब्बों में पेड़ पर टांग देते हैं। फुदका कीट से बचाव के लिए जब फल मटर के बराबर हो जाय तब इफ्को-एमसी की यूकाता (बुप्रोफेजिन 25 ई सी) नामक कीटनाशक दवा की 1-2 /लीटर पानी में घोल का पर्णीय छिडकाव करना चाहिए।

लीची के प्रवर्धन के लिए शाही, चाइना और स्वर्ण रूपा ये किस्में अनुशंसित की जाती है। फल तोड़ाई के पश्चात सूखी, रोगग्रसित शाखाओं को कैंची से काट देना चाहिए। पौधों की समुचित देख-रेख, गुड़ाई तथा कीड़े एवं बीमारियों से रक्षा करने से पौधों का विकास अच्छा होता है एवं अच्छी उपज मिलती है।

पत्ती मरोड़क(लीफ़ फोल्डर) के रोकथाम के लिए प्रति लीटर पानी में घोलकर पहला छिड़काव फूल आने के तुरन्त बाद तथा दूसराइसके 15 दिन बाद करना चाहिए।

अमरुद

10 दिनों के अंतराल पर पौधों पर यूरिया` 1.5 प्रतिशत घोल का दो छिड़काव कर दें ताकि आने वाले फूल एवं पत्तियाँ गिर जाय। इससे वर्षाकाल की फसल में अधिक ओजपूर्ण फूल और फल आते हैं और उपज में वृद्धि होती है।

पपीता

पपीते की रोपाई यदि गत वर्ष मई में की गयी है तो अगले वर्ष अप्रेल में फल लगने लगते हैं। ससमय पानी लगाते रहें परंतु ध्यान रहे कि सिंचाई का पानी ताने के सीधे संपर्क में न आए। पपीते रिंग स्पाट, जड़ एवं ताना सड़न, तथा पुष्प वृंत सड़न आदि रोगों से बचाव के लिए सड़न गलन के स्थान को अच्छी तरह साफ करके वोर्डोमिक्स्चर 5:5:20 के अनुपात से छिडकाव करना चाहिए अथवा NOYAKU (Azoxystrobin wx SC)@ v®ml/15 लीटर पानी मे मिलाकर स्प्रे करे ।

नए बाग में अप्रेल से मई तक 15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए। यदि बड़े पेड़ हो तो अप्रेल से जून के बीच दो सिंचाई कर देनी चाहिए। नए बाग में अन्त: फसल के रूप में मूंग, लोबिया, या सब्जीवाली फासले लेनी चाहिए। छाल भक्षीकीट के प्रबंधन के लिए बाग़ को साफ़-सुथरा रखना चाहिए। समय-समयपर बागों में जाकर नये सूखे प्रोहों की जाँच करनी चाहिए ताकि समय रहते ही इस कीट का पता लग जाए। कीट के प्रकोप के शुरुआत में ही, तने के छिद्रों को साफ़कर, उनमें तार डाल कर लार्वे को नष्ट कर देना चाहिए। रासायनिक नियंत्रण के लिए TAIYO(THIAMETHOXAM 25% WG)2 2g/ 10 लीटर के घोल में रूई भिगोकर तने के छिद्रों में डालकर चिकनी मिट्टी से बंद कर देना चाहिए।

नींबू वर्गीय फल

उर्वरक की आधी मात्रा नये कल्ले निकलने के समय तथा आधी मात्रा फल लगने के बाद देने से अच्छी उपज मिलती है। यदि टहनियाँ सूख रही हों तो उन्हे काटकर स्प्रेयर की एक टंकी पानी में 50 ग्राम जिंक सल्फेट मोनोहाइड्रेट घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर 2-3 पर्णीय छिडकाव करें।

यदि फलों के फटने की समस्या हो तो 5 g /लीटर बोरेक्स घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर 3 पर्णीय छिडकाव करें। बोरेक्स की 100 ग्राम मात्रा का मिट्टी में प्रयोग करने शीघ्र लाभ मिलता है।

केला

पेड़ों को सहारा देना - फल बनने के बाद घार का वजन बढ़ जाने के कारणपौधे का संतुलन बिगड़ जाता है तथा फलदारपौधे झुककर जमीन पर टिक जाते हैं।

इससे फलों के उत्पादन और उनकी गुणवत्ता दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस अवस्था में पेड़ों को दो बांस के त्रिकोण द्वारा झुकाव की ओर से तने पर सहारा दे देने से पेड़ झुकने नहीं पाता और फलों का एक समान विकास होता है।

पशुपालन

पशुशाला को हमेशा साफ-सुथरा रखें। पशुओं को धूप व गर्मी से बचाएं। इन्हे संतुलित आहार दें। हरा चारा और रातिम अवश्य दें। पशुओं के पास पीने योग्य साफ पानी रखे। इन्हे नियमित रूप से रोजाना स्नान कराएं। गोबर व मूत्र का संरक्षण करें और इसका उपयोग खाद बनाने के लिए करें। बताते चलें गर्मी में पशुओं का छोटा घाव भी एक बड़ी समस्या को जन्म देता है।लापरवाही से घाव में कीड़े पड़ जाते हैं।

उपचार के लिए सबसे पहले घाव के आस पास बालों को काट कर साफ़ किया जाता है फिर जहाँ तक हो सके कीड़े को निकाल कर केरोसिन तेल में डुबोकर मार देना चाहिए। घाव को साफ़ करने के बाद उसमें तारपीन के तेल से भिंगोई रूई/कपड़ाघाव के अंदर तक प्रवेश कराकर 8-12 घंटे पट्टी बांधकर छोड़ देना चाहिए। जब तक सारे कीड़े नहीं मर जाते, घाव ठीक नहीं हो पाता है।